12 मई 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

10 लाख का इनामी खालिस्तान का कुख्यात आतंकवादी कश्मीर सिंह मोतिहारी से गिरफ्तार

5

ऑपरेशन सिंदूर' से भारत ने क्या पाया? संघर्ष विराम की घोषणा के बाद उठ रहे कई सवाल

एजेंसी/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक ट्वीट ने केंद्र सरकार को उलझा दिया है। विपक्ष सरकार से सवाल कर रहा है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्यों की? कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस पर चर्चा कराने की मांग की है। वहीं, सीजफायर की घोषणा होने के बाद ऑपरेशन सिंदूर किन लक्ष्यों को लेकर शुरू किया गया था और क्या (सीजफायर के पहले) इसे हासिल कर लिया गया है, इस पर विशेषज्ञों ने अलग-अलग प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रक्षा विशेषज्ञ ब्रह्मा चेलानी जैसे कुछ विशेषज्ञों ने ऐसे समय में सीजफायर करने के सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि भारत ने अपनी पुरानी गलती दोहराई है। भारत इस स्थिति में एक बेहतर डील

कर सकता था, लेकिन बिना अच्छे समझौते के इसे सीजफायर के अंजाम पर पहुंचा दिया गया। वहीं, ब्रिगेडियर भुवनेश चौधरी और ब्रिगेडियर डीएस त्रिपाठी ने सरकार के इस निर्णय को बिल्कुल सही समय पर सही दिशा में उठाया गया कदम बताया है।

शनिवार 10 मई को जैसे ही यह खबर सामने आई कि भारत-पाकिस्तान ने आपसी सहमति से सीजफायर करने का निर्णय कर लिया है, हर तरफ केवल एक ही सवाल पूछा जाने लगा कि सरकार ने सीजफायर करने में इतनी जल्दी क्यों कर दी? यह सवाल भी पूछा जाने लगा कि क्या सेना और सरकार ने वह लक्ष्य हासिल कर लिया जिसको लेकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था? चूंकि सरकार के साथ-साथ सभी रक्षा विशेषज्ञ भी यह मान रहे हैं कि भारत इस समय मजबूत स्थिति में था, उसे इस परिस्थिति का उपयोग पाकिस्तान से आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत कदम उठाने के लिए बाध्य कर सकता था, भारत ने यह हासिल किए बिना सीजफायर पर सहमति क्यों जता दी?

यह कहना सही नहीं कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त हो गया है

रक्षा विशेषज्ञ ब्रिगेडियर भुवनेश चौधरी ने कहा कि जब हमारी वायुसेना ने स्वयं यह बात कह दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, ऐसे में यह कहना सही नहीं है कि ऑपरेशन सिंदूर समाप्त हो गया है। लेकिन इसके बाद भी, उनका मानना है कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने वह लक्ष्य हासिल करने में सफलता हासिल कर ली है, जिसको लेकर उसने इस महत्त्वपूर्ण कार्रवाई को शुरू किया था। रक्षा विशेषज्ञ ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को समझना महत्त्वपूर्ण है। वे हमेशा आर्थिक प्रगति और विकास की बात करते रहे हैं। साथ ही आतंक जैसे मुद्दों पर कठोर कार्रवाई करने की बात भी करते रहे हैं। पहलगाम के बाद हुई घटना में उनके दोनों ही दृष्टिकोण उचित मात्रा में दिखाई पड़ते हैं। पहले तो वे पर्यटन बढ़ाकर जम्मू-कश्मीर का विकास करना चाहते हैं, लेकिन पहलगाम की घटना होने के बाद आतंकी कैंपों पर कठोर कार्रवाई भी करते हैं। ब्रिगेडियर भुवनेश चौधरी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भी यही बात कही थी कि यह समय युद्ध का नहीं है। कोई भी मसला बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए। वे हमेशा विकास को महत्त्व देते हैं। उसे भारी नुकसान पहुंचाने के बाद हमने उसे सीजफायर के लिए मजबूर कर दिया। पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान ने सीजफायर के लिए भारत से लेकर अमेरिका तक गुहार लगाई। ऐसे में यह सेना और केंद्र सरकार की सफलता है कि उसने समयबद्ध तरीके से अपने दोनों लक्ष्य प्राप्त कर लिया। यह भी समझना होगा कि भारत ने यह साफ कर दिया है कि पाकिस्तान की ओर से कोई कारईवाई की गई तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा

युद्ध किसी परिस्थिति में किसी देश का पहला विकल्प नहीं होता

ब्रिगेडियर भुवनेश चौधरी ने कहा कि युद्ध किसी भी परिस्थिति में किसी भी देश का पहला विकल्प नहीं होता। वहीं, युद्ध शुरू हो जाने के बाद इसके कारण होने वाले आर्थिक और मानवीय नुकसान के बाद सबकी पहल सीजफायर या शांति की होती है। ऐसे में सीजफायर जितना भी जल्दी हो जाए, इसका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पहले ही हमले के बाद पाकिस्तान का जितना नुकसान किया गया, उसका एयर डिफेंस जिस तरह खराब कर दिया गया, उसके बाद सीजफायर, यदि पाकिस्तान इसका पालन करता है, एक बेहतर फैसला है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

भारतीय सेना ने पूरी दुनिया के सामने दिखाई अपनी ताकत: ब्रिगेडियर डीएस त्रिपाठी ने कहा कि इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय सेना ने पूरी दुनिया के सामने अपनी मजबूत स्थिति का परिचय दिया है। पाकिस्तान के एक भी नागरिक ठिकाने को कोई नुकसान पहुंचाए बिना केवल आतंकी कैंपों को नष्ट करना हमारी सैन्य क्षमता को दिखाता है। भारत की ओर से शुरू से ही यह कहा गया है कि उसकी लड़ाई आतंवादियों से है, न कि पाकिस्तान से। भारत ने आतंकी ठिकानों को ही लक्ष्य बनाकर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि, इस युद्ध के दौरान यह भी साफ दिखाई पड़ गया है कि पाकिस्तान की आम जनता वहां की सेना और सरकार के खिलाफ है। भारत के लिए इससे बड़ी दूसरी सफलता नहीं हो सकती कि पाकिस्तान की जनता ही उनके हुक्मरानों का विश्वास न करे। जबकि उसके उलट इस विकट परिस्थिति में हमारा पूरा देश एकजुट नजर आया। उन्होंने कहा कि इससे पूरी दुनिया में भारत की स्थिति मजबूत हुई है और हमें इसका लाभ मिलेगा।

खबरें फटाफट

पाकिस्तान के लोगों से पूछें ब्रह्मोस की ताकत: सीएम योगी

लखनऊ। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। सीएम योगी ने कहा कि आपने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की एक झलक देखी होगी। अगर नहीं देखी तो पाकिस्तान के लोगों से ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत के बारे में पूछिए। सीएम योगी ने कहा, आतंकवाद के प्रति पीएम मोदी ने घोषणा की है कि कोई भी आतंकी घटना अब युद्ध जैसी होगी। याद करना कि आतंकवाद को जब तक हम पूरी तरह कुचलेंगे नहीं तब तक समस्या का समाधान होगा भी नहीं। अब समय आ गया है कि उसको कुचलने के लिए हम सब को एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे भारत को मिलकर जुड़ना होगा। आतंकवाद कुत्ते की पूंछ है जो कभी सीधी नहीं होगी। वो प्यार की भाषा मानने वाला नहीं है। उसको उसकी भाषा में जवाब देने के लिए तैयार होना होगा।

भारतीय थल सेना के महानिदेशक बोले- ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है

यदि जरूरत हुई तो हम 21 से अधिक आतंकी शिविरों पर फिर से हमला करेंगे

- ऑपरेशन के दौरान सेना ने पाकिस्तान के एयर बेस, कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम को पूरे बॉर्डर पर बनाया निशाना
- कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकवादी और पाकिस्तान के 35-40 जवान मारे गए
- भारत के पांच जवान शहीद हुए

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। तीनों सेना के प्रमुखों ने रविवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम आवास पर हुई इस बैठक में एनएसए अजित डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। इसी बीच इंडियन एयरफोर्स की तरफ से ऐसा बयान आया, जिससे पाकिस्तान के पसीने छूटने लाजमी हैं। वायुसेना ने साफ किया उसका ऑपरेशन अभी भी जारी है। भारत आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता के नए सबूतों के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में एक टीम भेजेगा। अगले सप्ताह यूएनएससीआर 1267 प्रतिबंध समिति की बैठक होगी।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, पाकिस्तान की तरफ से हमारे एयर फील्ड को निशाना बनाने की कोशिश की गई, जिसे हमने फेल किए। हमने अपना डिप्लॉयमेंट और मजबूत किया। कहा कि 7 से 10 मई के बीच नियंत्रण रेखा पर तोपखाने और छोटे हथियारों से गोलीबारी में पाकिस्तान के लगभग 35 से 40 जवान मारे गए हैं। बॉर्डर और एलओसी पर हुई पाकिस्तानी सेना की गोलीबारी में हमारे 5 जवान शहीद हुए हैं। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा यदि जरूरत हुई तो हम 21 से अधिक आतंकी शिविरों पर फिर से हमला करेंगे। उन्होंने साफ शब्दों में यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है और इस दौरान दुश्मनों को कोई फायदा नहीं दे सकते।

भारतीय थल सेना के महानिदेशक सैन्य अभियान (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने रविवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद को खत्म करना था, जिसमें भारतीय सेना ने जबरदस्त सफलता हासिल की। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने बताया कि ऑपरेशन के तहत 100 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया गया, साथ ही उनके कई ठिकानों को भी नेस्तनाबूद किया गया. उन्होंने कहा, हमने आतंकवादी हमले का माकूल जवाब दिया है और सबूतों के साथ आतंकी अड्डों को तबाह करने की पुष्टि भी की है। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने पाकिस्तान के एयर बेस, कमांड सेंटर, एयर डिफेंस सिस्टम को पूरे बॉर्डर पर निशाना बनाया। हमारे पास उनके हर बेस को हर सिस्टम को टारगेट करने की क्षमता है। बस उन्हें सद्बुद्धि आए इसलिए संतुलित स्ट्राइक की हमने।

जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने रविवार को सीमावर्ती गांवों के निवासियों से कहा कि वे अपने घरों पर वापस न लौटें, क्योंकि अभी इन क्षेत्रों को साफ किया जाना है और किसी भी अज्ञात गोला-बारूद को हटाना है। बारामूला, बांदीपोरा और कुपवाड़ा जिलों में नियंत्रण रेखा के पास के गांवों के 1.25 लाख से अधिक निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था, क्योंकि उनके घरों को पाकिस्तानी गोलाबारी का निशाना बनाए जाने का बहुत अधिक खतरा था। पुलिस की ओर से जारी एक परामर्श में कहा गया, सीमावर्ती गांवों में वापस न लौटें। पाकिस्तानी गोलाबारी के बाद अज्ञात गोला-बारूद के बिखरे होने से जान जोखिम में पड़ सकती है।

पाकिस्तान में एक दूर के टार्गेट को ब्रह्मोस मिसाइल से बनाया गया था निशाना

पता चला है कि भारतीय वायुसेना के सुखोई फायटर जेट से पाकिस्तान पर सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल से प्रहार किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान में एक दूर के टार्गेट को ब्रह्मोस से निशाना बनाया गया था। भारतीय वायु सेना की ओर से कहा गया कि ऑपरेशन सिंदूर में अपने सौंपे गए कार्यों को सटीकता और व्यावसायिकता के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप सोच-समझकर और विवेकपूर्ण तरीके से संचालित किए गए। चूंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है, इसलिए समय रहते विस्तृत जानकारी दी जाएगी। वायुसेना सभी से अपील करती है कि वे अटकलें लगाने और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें।

पीएम मोदी की चेतावनी... वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा

सरकार बोली- ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। वहीं न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की।

भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे नए सामान्य' की तरह स्वीकार करना होगा।

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे। कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

भारत ने अपनी शर्तों पर पाकिस्तान के साथ सीजफायर किया है और साफ कर दिया है कि उकसावे की किसी कार्रवाई का उसी की जुबान में जवाब दिया जाएगा।

शुरू होगा आईपीएल, जल्द जारी होगा शेड्यूल

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को जल्द से जल्द शुरू करने की योजना बनाई है। बीसीसीआई ने सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी (सिवाय पंजाब किंग्स) को मंगलवार तक अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंचने का निर्देश दिया है। सूत्रों के अनुसार, बोर्ड ने फ्रेंचाइजी को मौखिक रूप से सूचित किया है कि वह जल्द ही नया शेड्यूल जारी करने की तैयारी में है और आईपीएल को फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही, बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी से अपने विदेशी खिलाड़ियों को उनके यात्रा प्लान के बारे में सूचित करने को भी कहा है।

शुक्रवार को आईपीएल के निलंबित होने के तुरंत बाद, अधिकांश विदेशी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ उसी शाम अपने देशों के लिए रवाना हो गए थे। अब फ्रेंचाइजी उन्हें वापस लाने की व्यवस्था कर रही हैं। बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी को 16 मई तक अपने स्थानों पर पहुंचने का निर्देश इसलिए दिया है, क्योंकि बोर्ड आईपीएल को निर्धारित तारीख, यानी 30 मई तक पूरा करना चाहता है। अभी 12 मैच बाकी हैं, और बीसीसीआई डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) के साथ लीग को फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है। बीसीसीआई शेष मैचों की मेजबानी तीन स्थानों झ चेन्नई, बेंगलुरु और हैदराबाद में करने पर विचार कर रहा है।

कांग्रेस ने की सर्वदलीय बैठक और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस ने भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक सर्वदलीय बैठक और संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की मांग की. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरकार से कई सवाल पूछे. उन्होंने सवाल किए कि क्या सरकार ने भारत-पाकिस्तान के बीच तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के लिए दरवाजे खोल दिए हैं और क्या पाकिस्तान के साथ कूटनीतिक माध्यम खोले गए हैं। रमेश ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस एक बार फिर यह मांग करती है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और पहलगाम, ऑपरेशन सिंदूर और भारत- पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के मुद्दे पर संसद का विशेष सत्र आयोजित किया जाए, ताकि इन सभी मुद्दों पर चर्चा हो सके।

पाकिस्तान के साथ सीजफायर की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर जारी

दिल्ली में कांग्रेस ने लगाया होर्डिंग- इंदिरा गांधी होना आसान नहीं

एजेंसी/नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बाद सोशल मीडिया पर चचाओं का दौर जारी है। कोई इसे पीएम मोदी की कमजोरी बता रहा है तो कोई इसे भारत की एक सोची समझी रणनीति। वहीं कुछ लोग आकलन कर रहे हैं कि इंदिरा गांधी कहीं ज्यादा पीएम मोदी से मजबूत और निडर थीं। कांग्रेस भी इसको लेकर 1971 का उदाहरण पेश कर रही है।

कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से इंदिरा गांधी और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की तस्वीर साझा की गई है।

इस तस्वीर के साथ कांग्रेस ने लिखा है, इंदिरा गांधी ने निक्सन से कहा था- हमारी रीढ़ की हड्डी सीधी है। हमारे पास इच्छाशक्ति और संसाधन हैं कि हम हर अत्याचार का सामना कर सकते हैं। वो वक्त चला गया जब कोई देश तीन-चार हजार मील दूर बैठकर ये आदेश दे कि भारतीय उसकी मजी के हिसाब से चलें। कांग्रेस ने ट्वीट में लिखा, ये थी हिम्मत। यही था भारत के लिए डटकर खड़ा होना और देश की गरिमा के साथ कोई समझौता ना करना। वहीं, अब इसी बीच दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय के बाहर एक होर्डिंग को लगाया गया है। जिस पर लिखा है, इंदिरा होना आसान नहीं और भारत को इंदिरा की याद आती है। इस होर्डिंग में इंदिरा गांधी की फोटो के साथ दो कांग्रेस नेताओं की भी फोटो लगी है।

इससे पहले शनिवार को कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व को याद किया। एक्स पर एक पोस्ट में वेणुगोपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें लिखा था, एक विकासशील देश होने के नाते, हमारी रीढ़ मजबूत है, सभी अत्याचारों से लड़ने के लिए पर्याप्त इच्छाशक्ति और संसाधन हैं। वह समय बीत चुका है जब 3-4 हजार मील दूर बैठा कोई भी देश भारतीयों को आदेश दे सकता था। आज भारत को इंदिरा गांधी जी की बहुत याद आती है!

विद्यालयों की सफाई में गबन का आरोप, डीईओ ने हाउसकिपिंग एजेंसी से मांगा स्पष्टीकरण

- सरकारी विद्यालयों की सफाई में लापरवाही और गबन का आरोप, जारी हुई चिट्ठी
- दिशा की बैठक में सांसद सहित विधायकों ने उठाया था गंभीरता से मुद्दा, जांच टीम गठित करने का निर्णय

केटी न्यूज/डुमरांव

हाउसकीपिंग एजेंसी पर कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगा डीईओ ने खिरौली के रुद्र सागर सेवा संस्थान व फस्ट आईडिया हाउसकिपिंग एजेंसी को कड़ा नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस जिले के सिमरी प्रखंड के कई विद्यालयों में हाउसकीपिंग व्यवस्था में भारी अनियमितता और सरकारी राशि के संभावित गबन के आरोपों के आधार पर भेजा गया है। डीईओ ने तीन दिनों के भीतर स्पष्टिकरण मांगा है, अन्यथा एकतरफा कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जारी पत्र में डीईओ अमरेंद्र पांडेय ने बताया कि सिमरी प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया गया, जिसमें यह पाया गया कि अधिकांश स्कूलों में शौचालय, कक्षाएं, बेंच-डेस्क तथा अन्य परिसर की नियमित सफाई नहीं हो रही है। वहीं कई प्रभारी प्रधानाध्यापकों ने यह भी बताया कि सफाईकर्मियों को समय पर भुगतान नहीं किया जा रहा है।

सरकारी राशि के गबन के समान : डीईओ

डीईओ ने पत्र संख्या 364/दिनांक 08/05/25 के माध्यम से बताया कि सफाईकर्मियों का भुगतान समय कर नहीं होने से वो कार्य करने से इंकार कर रहे हैं। इससे शिक्षा व्यवस्था और विद्यालय की स्वच्छता दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, कुछ प्रधानाध्यापकों का यह भी कहना है कि सफाई कार्य न होने के बावजूद, एजेंसी के प्रतिनिधियों द्वारा उन पर जबरन भुगतान से संबंधित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिया जाता है। जारी पत्र में डीईओ ने बताया कि इससे यह संदेह प्रबल होता है कि एजेंसी और कुछ विद्यालय प्रभारियों की मिलीभगत से कार्य किए बिना ही भुगतान प्राप्त कर लिया गया है, जो सरकारी राशि के गबन के समान है।

सफाई के कोताही न बरतने को लेकर हुई थी बैठक

उल्लेखनीय है कि 7 दिसंबर 2024 को आयोजित हाउसकीपिंग एजेंसियों की बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि असंतोषजनक सफाई मिलने पर संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, 4 अप्रैल 2025 को जारी विभागीय पत्र में भी यह निर्दिष्ट किया गया है कि विद्यालय परिसर की सम्पूर्ण सफाई जिनमें शौचालय, कमरे, फर्श, डेस्क-बेंच, दीवारें, सीढ़ियां, बरामदा, छत, कूड़ेदान निपटान की सफाई नियमित रूप से की जानी चाहिए। इस नियम के उल्लंघन पर एजेंसी को काली सूची में डाले जाने की सिफारिश की गई थी। डीईओ ने जारी पत्र में बताया कि कुछ समाचार पत्रों के माध्यम से भी यह बातें सामने आई थी कि रुद्र सागर सेवा संस्थान द्वारा विद्यालयों में

सफाई कार्य नहीं कराया जा रहा है, बावजूद इसके भुगतान प्राप्त किया जा रहा है। इससे स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

नहीं मिला माकूल जवाब तो काली सूची में डालेंगे : डीईओ

डीईओ ने रुद्र सागर सेवा संस्थान व फस्ट आईडिया को चेतावनी देते हुए पूछा है कि उक्त अनियमितता और गबन के आरोपों पर तीन दिनों के भीतर संतोषजनक उत्तर क्यों न मांगा जाए। अन्यथा उनका एकरारनामा रद्द करते हुए एजेंसी को काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में शिक्षा विभाग की इस सख्त तेवर से जिले में कार्यरत अन्य एजेंसियों में भी हड़कंप मचा हुआ है। यह मामला न केवल शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है, बल्कि सरकारी धन के दुरुपयोग का भी एक बड़ा उदाहरण बन गया है। डीईओ ने बताया कि स्पष्टीकरण में दिए जाने वाले जवाब के आधार पर आगे की कारवाई की जायेगी। अगर नियमानुकूल जवाब न दिया गया तो एजेंसी पर कारवाई तय है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 1046 छापामारी की गई, 288 वाहनों को जब्त करते हुए कारवाई हुई

अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध सख्त हुआ विभाग, अब तक 4.5 करोड़ से अधिक वसूले

- पिछले वितीय वर्ष के अलावे नये वित्तीय वर्ष में भी तेज हुई है छापेमारी, ट्रक चालकों में मच गया है हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के नेतृत्व में खान एवं भू-तत्व विभाग के नियमों का उल्लंघन तथा अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त वाहनों के विरुद्ध त्वरित एवं कठोर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में प्रभारी खनिज विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 1046 छापामारी की गई। इस दौरान खनन विभाग द्वारा कुल 288 वाहनों को जप्त करते हुए जुर्माना लगाया गया है। पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान 97 ओवरलोड ट्रक, 117 गीला बालू लदे ट्रक, 71 बिना ढंके हुए लघु खनिज का परिवहन करते हुए पाए गए ट्रक एवं तीन बिना लाल पट्टी के परिवहन करते हुए वाहन को जप्त किया गया है। इस दौरान अवैध खनन व परिचालन में संलिप्त इन वाहन मालिकों पर जिला खनन कार्यालय, बक्सर द्वारा लगभग चार करोड़ तीन लाख 39 हजार रुपए का आर्थिक दंड अधिरोपित कर राजस्व वसूली की गई है। इस दौरान नौ प्राथमिकी के साथ-साथ एक की गिरफ्तारी की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल माह में कुल 27 वाहनों को जप्त करते हुए 28 लाख 6 हजार रुपए का आर्थिक दंड अधिरोपित कर राजस्व वसूली की गई है। अवैध खनन व परिवहन में संलिप्त वाहनों की जांच के लिए दलसागर टोल प्लाजा एवं वीर कुंवर सिंह सेतु पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त प्रभारी खनिज विकास पदाधिकारी एवं खान निरीक्षक, बक्सर द्वारा नियमित रूप से छापेमारी की जाती है। यातायात पुलिस, बक्सर द्वारा बालू लदे वाहनों को एनएच 922 पर एक लेन में लगाने की कार्रवाई की जा रही है, ताकि एनएच 922 एवं वीर कुंवर सिंह सेतु पर बालू लदे वाहनों से जाम की समस्या उत्पन्न नहीं हो। इसके अलावा वीर कुंवर सेतु के निकट खनन विभाग, परिवहन विभाग एवं मद्य निषेध विभाग के नए इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। प्रभारी खनिज विकास पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बक्सर जिला अंतर्गत अवैध खनन व परिवहन के विरुद्ध खनन विभाग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। लघु खनिज का परिवहन करने वाले सभी वाहन मालिकों को विभागीय नियमानुसार वाहनों का परिचालन करने की सलाह दी जाती है।

परिचारी परीक्षा में 5621 अनुपस्थित रहे बड़ी संख्या में परीक्षार्थी

केटी न्यूज/बक्सर

विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आहूत कार्यालय परिचारी की प्रारंभिक परीक्षा रविवार को जिले में कदाचारमुक्त संपन्न हुई। इस परीक्षा को स्वच्छ एवं कदाचार मुक्त तरीके से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन काफी तत्पर दिखा। जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने संबंधित परीक्षा केन्द्रों के केन्द्राधीक्षक व तैनात मजिस्ट्रेट को आवश्यक दिशा निर्देश दिए ताि कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने का निर्देश दिया। डीएम-एसपी ने उच्च माध्यमिक

विद्यालय अहिरौली एवं सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्रों के सभी कक्षों का निरीक्षण कर इस बात की तस्दीक की कोई परीक्षार्थी नकल तो नहीं कर रहा है। वहीं डीएम एसपी ने इस दौरान सभी को आवश्यक निर्देश दिए। मिली जानकारी के अनुसार परिचारी परीक्षा में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 7406 थी, लेकिन इनमें मात्र 1785 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 5621 परीक्षार्थियों ने विभिन्न कारणों से यह परीक्षा छोड़ दी, जबकि नकल के आरोप में किसी परीक्षार्थी को निष्कासित नहीं किया गया। सभी केन्द्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा होने की जानकारी मिली है।

मध्याह्न भोजन समेत अन्य योजनाओं में लापरवाही के आरोप में 4 एचएम निलंबित

- शिक्षा विभाग की कार्रवाई से शिक्षकों में मच गया है हड़कंप, सभी पर चलेगी विभागीय कार्रवाई

केटी न्यूज/बक्सर

शिक्षा विभाग ने एमडीएम व पठन पाठन समेत अन्य योजनाओं के संचालन में लापरवाही के आरोप में जिले के चार प्रभारी प्रधानाध्यापकों को निलंबित कर दिया है। वहीं, सभी को विभागीय कार्रवाई के अधीन रखा गया है। विभाग के इस फैसले से शिक्षकों खासकर प्रधान शिक्षकों में हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, माध्यमिक शिक्षा एवं साक्षरता, द्वारा एक अप्रैल को राजकीय बुनियादी विद्यालय, सरेंजा में निरीक्षण के क्रम में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका प्रिती राय को मध्याहन भोजन के संचालन में अनियमितता बरतने एवं विद्यालय के पठन-पाठन में अभिरूचि नहीं लेने के लिए प्रथम द्दष्टया दोषी पाया गया। जिस कारण बिहार विशिष्ठ शिक्षक नियमावली 2023 के सुसंगत प्रावधानों के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुये विभागीय कारवाई के अधीन किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, कार्यालय, सह प्रखण्ड संसाधन केन्द्र बक्सर निर्धारित किया गया है। उनके विरूद्ध आरोप पत्र का गठन अलग से किया जाएगा। वहीं, कुंवर सिंह मध्य विद्यालय, बक्सर में निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक चन्द्रकान्ता कुमारी को मध्याहन भोजन के संचालन, पंजी संधारण में अनियमितता, शौचालय का निर्माण अपूर्ण रहने के बावजूद संवेदक को कार्य पूर्णता का प्रमाण पत्र देने, कम्पोजिट ग्रांट की राशि का गबन करने, विद्यालय में साफ-सफाई का अभाव रहने, शौचालय में ताला बन्द रखने, छात्रो के बीच वितरित करने वाले किताब को बक्सा में बंद रखने के लिए दोषी पाया गया है।

उन्हें निलंबित करते हुये विभागीय कारवाई के अधीन किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय-सह-प्रखण्ड संसाधन केन्द्र, चौसा निर्धारित किया गया है। उनके विरूद्ध आरोप पत्र का गठन अलग से किया जाएगा। वहीं, उत्क्रमित उच्च विद्यालय, गोसाईपुर, चौसा के प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय सिंह को मध्याह्न भोजन के संचालन में अनियमितता बरतने, विद्यालय मे साफ सफाई का ध्यान नहीं रखने एवं विद्यालय के पठन-पाठन में अभिरूचि नहीं लेने के लिए दोषी पाया गया है। उन्हें भी निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई के अधीन रखा गया है।

जबकि मध्य विद्यालय हंकारपुर की प्रभारी प्रधानाध्यापिका अनुबाला जायसवाल को मध्याह्न भोजन के संचालन में अनियमितता बरतने, विद्यालय के पठन-पाठन में अभिरूचि नहीं लेने, कम्पोजिट ग्रांट के राशि का व्यय विवरणी उपलब्ध नहीं कराने एवं विद्यालय के साफ-सफाई नहीं कराने के लिए दोषी पाते हुए निलंबित किया गया है।निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, कार्यालय, सह-प्रखण्ड संसाधन केन्द्र बक्सर निर्धारित किया गया है। उनपर आरोप पत्र का गठन अलग से किया जाएगा। निलंबन अवधि में सभी को मात्र जीवन यापन भत्ता दिया जाएगा। विभाग की इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में खलबली मची हुई है।

सभी जानकारी के साथ मतदाता सूची में जोड़ें नये वोटरों का नाम : बीडीओ अशोक

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रखंड सभागार भवन में बीएलओ के उन्मुखीकरण को लेकर प्रखंड स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ बीडीओ अशोक कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान मास्टर ट्रेनर के रूप में उपस्थित सुरेन्द्र उपाध्याय और अमरेन्द्र कुमार चौबे द्वारा बीएलओ को निर्वाचन संबंधी तकनीकी जानकारी और प्रायोगिक अनुभव को साझा किया। साथ ही उनकी जिम्मेदारियों, कर्तव्यों और निर्वाचन प्रक्रिया में उनकी अहम भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य रूप से मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन करने की प्रक्रिया संबंधित प्रपत्रों का उपयोग, क्षेत्रीय भ्रमण और मतदाताओं से संपर्क जैसी महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में बीएलओ से अपेक्षित व्यवहार, कार्यकुशलता और पारदर्शिता पर विशेष बल दिया गया। वही, कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार ने बीएलओ की भूमिका को लोकतंत्र की बुनियाद बताया और उन्हें ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर प्रतिभागी बीएलओ ने भी अपने अनुभव साझा किए और निर्वाचन प्रक्रिया को सशक्त बनाने में अपनी प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण को दो चरणों मे आयोजन किया गया है। पहले चरण में कुल 40 बीएलओ ने भाग लिया जबकि, आगामी 13 को होने वाले दूसरे चरण में 40 बीएलओ भाग लेंगे। उन्होंने बताया पहले चरण का प्रशिक्षण का समापन सफलतापूर्वक हुआ और उपस्थित सभी बीएलओ को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

रोहतास में सड़क दुर्घटना में नावानगर के युवक की मौत

नावानगर/केसठ। नावानगर थाना क्षेत्र के रूपसागर गांव निवासी एक युवक की मौत दावथ थाना क्षेत्र के पचदरवा पुल के समीप बाइक दुर्घटना में हो गई है। मृतक की पहचान रूपसागर गांव निवासी काशीनाथ सिंह के पुत्र ब्रजलाल कुमार सिंह के रूप में हुई। घटना शनिवार देर शाम की बतायी जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वह एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस गांव लौट रहा था। इसी दौरान मलई पुल के पास उसकी बाइक असंतुलित हो गई तथा वह पुल से नीचे गिर गया। जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल ले जाया गया। परंतु अधिक खून गिरने के कारण मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र व एक पुत्री समेत भरा पूरा परिवार छोड़ कर चला गया। वहीं, परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

बंद पड़े कपड़े की दुकान में लगी आग से दो लाख का कपड़ा जला

केटी न्यूज/बक्सर

शहर के पीपी रोड स्थित एक बंद पड़े कपड़े की दुकान में रविवार की सुबह आग लगने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शॉर्ट सर्किट से लगी इस आग में दुकान में रखे लगभग दो लाख रुपये मूल्य के कपड़े और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह-सुबह गोलू केशरी की बंद पड़ी दुकान से अचानक धुआं निकलता दिखा, जहा इस घटना पर वहा ऑफर-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां और पुलिस टीम मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दमकलकर्मियों की तत्परता से आग को आसपास की दुकानों और घरों तक फैलने से रोका जा सका।

दुकानदार गोलू केशरी ने बताया कि दुकान पिछले कुछ समय से बंद थी, लेकिन उसमें करीब दो लाख रुपये की कीमत के वस्त्र और अन्य सामग्री रखी हुई थी, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गई। बताया जाता है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट है। हालांकि, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। समय पर की गई अग्निशमन और प्रशासन की कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

नप शहर के 15 स्थानों पर लगायेगा एलईडी टीवी, प्रसारित होंगी सूचनाएं

डुमरांव। नगर की सारी जानकारी लोगों तक तत्काल पहुंचेगी, इसके लिये नगर परिषद एलईडी टीवी लगाने जा रहा है, इसके लिये शहर में 15 स्थान चयनित किये गए हैं। इस पर नप ने कार्य शुरू कर दिया है। एलईडी टीवी लग जाने से किसी प्रकार की सूचना इसके माध्यम से नगर की जनता के पास तत्काल पहुंच जाएगी। इसकी मॉनीटरिंग नप कायालय से और थाना से की जाएगी। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। मालूम हो कि नगर परिषद ने अपने सूचना तंत्र को मजबूत करने के लिये शहर में एलईडी टीवी लगाने जा रही है, धार्मिक स्थल, चौक-चौराहा पर इसकी व्यवस्था होगी ।चेयरमैन सुनीता गुप्ता व उप चेयरमैन विकास ठाकुर ने बताया कि नगरवासियों को किसी प्रकार की सूचना देनी होगी, उसको तत्काल इसी माध्यम से जारी कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं बल्कि इसके माध्यम से असमाजिक गतिविधियों पर नजर भी रखी जाएगी।

संवाद में महिलाओं का अपेक्षाएं एवं आकांक्षाओं को लेकर तैयार की जा रही है कार्य योजना

महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना ही संवाद का मुख्य उद्देश्य : बीडीओ

- भटौली पंचायत में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन
- शिक्षा में लड़कियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय प्रखंड के भटौली पंचायत में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ मनोज कुमार ने की। जबकि कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक समन्वयक आयुष कुमार द्वारा किया गया। उद्घाटन के बाद बीडीओ ने महिलाओं से खुलकर संवाद किया। साथ ही उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा, बालिका शिक्षा, स्व-रोजगार योजनाओं और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं का अपेक्षाएं एवं आकांक्षाओं को लेते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अलावा कुछ महिलाओं ने अपनी सफलता की प्रेरणादायक कहानियां साझा की, जिससे अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने का संबल मिल सके। वही बीडीओ ने जीविका दीदियों को जीविका से हुए सामाजिक बदलाव तथा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सतत जीविकोपार्जन योजना से अत्यंत गरीब व वंचित परिवारों को समाज के मुख्य धारा में लाकर सकारात्मक बदलाव लाने का जिक्र किया। कहा शिक्षा में लड़कियों के लिए चलाई जा रही योजनाओं,पुलिस विभाग,पंचायती राज संस्थाओं एवं खेल के क्षेत्र में आरक्षण देकर महिलाओं को आगे बढ़ाने में सरकार विशेष ध्यान दे रही है। अंत में, आयोजक ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आश्वस्त किया कि ऐसे संवाद भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। मौके पर जीविका के क्षेत्रीय समन्वयक, धनंजय भारती सहित जीविका कैडर तथा लगभग 200 दीदिया व ग्रामीण मौजूद थे।

सिमरी में अगलगी में झोपड़ीनुमा घर स्वाहा, 2 लाख से अधिक की संपत्ति का हुआ नुकसान

केटी न्यूज/सिमरी

तिलक राय के हाता थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव में अगलगी की घटना प्रकाश में आया। इस घटना में एक झोपड़ीनुमा मकान जल गया है। इस घटना में कपड़ा, अनाज, नगदी समेत करीब दो लाख की संपति जली है। अगलगी की यह घटना कमल पासवान पिता जमुना पासवान के घर हुई है। हालांकि, ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए अगलगी पर काबू पा इसे विकराल होने से बचा लिया। घटना के बाद से पीड़ित काफी आहत है। मिली जानकारी के अनुसार कमल पासवान के झोपड़ीनुमा मकान में दोपहर के वक्त अचानक आग लग गई। झोपड़ी से आग की लपटे उठता देख घरवाले शोर मचाते हुए घर से बाहर भागे। वहीं, ग्रामीण भी दौड़े

भागे मौके पर पहुंचे तथा सबने मोटर पंप के सहारे आग पर काबू पाया, तबतक झोपड़ी पूरी तरह से जल गई थी, लेकिन ग्रामीणों ने इस पर काबू पा इसे विकराल होने से बचा लिया। अन्यथा गांव के अन्य लोगों के घर की भी चपेट आ जाते। जिससे और अधिक नुकसान हो। विदित हो कि गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से पूर्व में यह नियम जारी कर दिया गया था कि ग्रामीण इलाकों में दोपहर ग्यारह बजे के बाद खाना नहीं बनाया जाए। जो भी चुल्हा का प्रयोग किया जा रहा है। उसकी आग को पूरी तरह से बुझा दिया जाए। जिससे आग लगने की संभावना कम होगी। बावजूद इस पर रोक नहीं लग रही है। जिससे इस तरह की घटनाएं हो रही है।

मदर्स डे पर मां की ममता हुई शर्मसार: 10 माह के बच्चे को छोड़कर प्रेमी संग नकदी लेकर फरार

- पति ने अपनी पत्नी को ढूढ़ने के लिए पुलिस से लगाई गुहार
- सोनी देवी का गांव के ही एक युवक से लम्बे समय से चल रहा था प्रेम-प्रसंग

केटी न्यूज/डुमरांव

मदर्स डे पर एक मां की ममता शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। कलयुगी मां अपने 10 माह के मासूम बच्चे सहित तीन बच्चों को छोड़कर गांव के ही आशिक के साथ फरार हो गयी। जिसके बाद गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब पति अपने पत्नी को ढुढ़ने के लिए पुलिस से गुहार लगाई है। मामला डुमरांव थाना क्षेत्र के लाखनडिहरा गांव की है। पुलिस सूत्रों कि मानें तो दिलीप चौबे की पत्नी सोनी देवी को एक गांव के ही एक युवक से प्रेम-प्रसंग लम्बे समय से चल रहा है।

जानकारी के अनुसार महिला अपने छोटे भाई मुफस्सिल थाना के निधुआं गांव निवासी गुप्त ओझा के साथ किसी काम को लेकर डुमरांव बाजार आयी हुई थी। जिसके बाद वह अपने भाई के मोबाइल से अपने प्रेमी मनोज गोंड पिता महेश गोंड को फोन किया। उसके साथ भागने का प्लान बनाया। वहीं भाई को वापस गांव जाने को बोली। जब भाई लाखनडिहरा गांव पहुंचा तो दिलीप चौबे व उनके परिवार वारे पत्नी के बारे में पूछने तो उसने कहा कि हम छोड़कर डुमरांव आ गये।

जिसके बाद उसका मोबाइल जांच किया तो ऑटों रिकार्डिंग से सारे मामले का पदार्फाश हुआ। जिसके बाद पति दिलीप चौबे समेंत पुरा परिवार दंग रह गया। वहीं परिवार के करीबी सूत्रों की मानें तो 70-80 हजार रूपए नकदी के साथ 3.50 लाख सोने-चांदी का आभूषण लेकर फरार हो गयी है। वहीं फरार महिला के खाते दो-ढ़ाई लाख रूपया है। महिला के पति दिलीप चौबे ने इस मामले में स्थानीय पुलिस को आवेदन दे पत्नी को खोजने की गुहार लगाई है। वहीं घटना की आवेदन मिलने के बाद पुलिस जांच के लिए लाखनडिहरा गांव पहुंची। उसने पुछताछ किया गया।

पुलिस के अनुसार महिला अपने छोटे भाई के सथ डुमरांव आयी थी। जिसके बाद वहां से वो गांव के एक लड़के के साथ भाग गयी। जब भाई से पूछताछ की जा रही तो वो गोल-गोल घुमा रहा है। वहीं मिली जानकारी के अनुसार महिला का लंबे समय से गांव के महेश गोड़ से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात का भनक घरवालों को लगी तो पति-पत्नी में पिछले कुछ दिनो से विवाद चल रहा था। इसी दौरान एक साल से कम उम्र के बच्चे समेत तीन बच्चों बच्चों को छोड़ घर से भाग गई। घरवालों ने पहले काफी खोजबीन की तथा जब उसका कुछ सुराग नहीं मिला तो पीड़ित ने थाने में आवेदन दे उसे खोजने की गुहार लगाई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है, इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। आवेदन की सत्यता के लिए पुलिस की टीम गांव में भेजी गयी है। जांच रिर्पोट आने के बाद कार्रवाई की जायेगी।

केसठ में शतचंडी महायज्ञ का समापन, जागेश्वर दास को दी गई भव्य विदाई

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के केसठ गांव मां काली मंदिर में आयोजित शतचंडी महायज्ञ एवं मां काली प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बीते शनिवार को विधिवत रूप से सम्पन्न हो गया। यह पावन आयोजन 29 अप्रैल से शुरू हुआ था और 9 मई को समापन हुआ। महायज्ञ के सफल समापन के बाद रविवार को यज्ञाचार्य जागेश्वर बालक दास साधु को महायज्ञ समिति और ग्रामीणों द्वारा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ विदाई दी गई। समापन अवसर पर गांव में भक्तिमय वातावरण रहा। विदाई समारोह के दौरान भजन-कीर्तन और पुष्पवर्षा के साथ साधु जी को सम्मानपूर्वक विदा किया गया। ग्रामीणों ने साधु जी का आभार जताते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में सम्पन्न यह महायज्ञ गांव के लिए एक ऐतिहासिक और पुण्यदायी अवसर रहा। महायज्ञ के ग्यारह दिनों तक प्रतिदिन वेद मंत्रों का उच्चारण, प्रवचन, भंडारा, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु केसठ सहित आस-पास के गांवों से इस महोत्सव में शामिल हुए। महायज्ञ समिति ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के प्रति आभार प्रकट किया।

एनएच पर सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन जख्मी, तीन को आई गंभीर चोट, इलाजरत

- साइकिल सवार को बचाने में फिसल गई थी बुलेट, चपेट में आया एक अन्य बाइक चालक

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर रविवार की देर शाम एक हादसे में दो बाइक व एक साइकिल सवार कुल आधा दर्जन लोग चोटिल हो गए। इनमें तीन को गंभीर चोटें आई है, जिन्हें पुलिस ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। जहां, समाचार लिखे जाने तक उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा साइकिल सवार को बचाने के दौरान नया भोजपुर के समीप स्थित सब्जी मंडी के पास हुआ।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जख्मियों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मिश्रवलियां गांव निवासी विकास कुमार, मनोज कुमार व संतोष पासवान शामिल है। वहीं, अन्य तीन जख्मियों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। उन्हें हल्की चोटें आई थी तथा वे घटना के बाद अपने घर चले गए। मिली जानकारी के अनुसार तीनों जख्मी अपने गांव से बुलेट बाइक पर सवार होकर एक शादी समारोह में भाग लेने कृष्णाब्रह्म जा रहे थे। वे जैसे ही नया भोजपुर फ्लाई ओवर को क्रास किए कि सब्जी मंडी के पास अचानक एक साइकिल सवार फोर लेन को क्रास करने लगा। वह उत्तरी लेन से अचानक दक्षिणी लेन में चला आया। उसे बचाने के प्रयास में बुलेट चालक ने आनन-फानन में ब्रेक लगाया, लेकिन उसकी बाइक फिसल गई तथा साइकिल सवार के साथ ही एक अन्य बाइक को अपनी चपेट में ले ली। इस घटना में बुलेट पर सवार तीनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। प्रत्यक्षदर्शी नया भोजपुर निवासी राजू कुशवाहा ने बताया कि बुलेट सवार करीब 20 फीट तक सड़क पर घिसटे थे, उनमें से एक युवक अचेत हो गया था, जिसे तुरंत सीपीआर दिया गया, जिससे वह होश में आया। इसके बाद नया भोजपुर पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची तथा जख्मी लोगों को तत्काल इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया। इस संबंध में नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेज जख्मियों को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि उनके स्वजनों को सूचना दी गई है। सभी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मिश्रवलियां गांव से कृष्णाब्रह्म जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मामले में अभी पीड़ित पक्ष ने आवेदन नहीं दिया है।

केशोपुर से भैस चोरी, थाने में हुई शिकायत

सिमरी। तिलक राय के हाता थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव से भैंस चोरी का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में पीड़ित देवान्ति देवी पति चौधरी यादव ने स्थानीय थाने में आवेदन देकर गांव के ही तीन नामजद व तीन अज्ञात पर भैस चुराने का आरोप लगाई है। अपने आवेदन में उसने जिक्र किया है कि मध्य रात्रि गांव के ही नामजदों ने उसके दरवाजे पर बंधी दो भैस को चुरा लिया, बाद में एक भैस उनसे छुड़ाकर भाग आई है। पीड़िता ने अपने आवेदन में इस बात का जिक्र भी किया है कि आरोपितों के साथ उनका पूर्व से विवाद चला आ रहा है उक्त विवाद का मामला बक्सर कोर्ट में चल रहा है। जिसमें दबाव बनाने के लिए इस कृत्य को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में तिलक राय के हाता थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि आवेदन मिला है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पीड़िता व आरोपितों के बीच पूर्व से विवाद चला आ रहा है।

डुमरांव में अलग-अलग मामलों में देशी शराब के साथ 2 गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर शराब की खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उनसे पूछताछ कर तस्करी के पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने नगर के सफाखाना रोड स्थित अनुसूचित जाति बस्ती में गुप्त सूचना पर मल्लू मुसहर पिता नंदजी मुसहर के घर से 10 लीटर तथा दक्षिण टोला मुहल्ले के संजय राम पिता स्व. शिवनाथ राम के घर से 4.5 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद किया है। पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में मल्लू तथा संजय राम को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि गुप्त सूचना पर पुलिस को यह सफलता मिली है। इनके अन्य साथियों की धर-पकड़ का भी प्रयास किया जा रहा है।

ए एसपी साहेब कईसहू हमरा बेटवा के खोजी...

- बहू के साथ एसपी कार्यायल पहुंची थी डुमरांव की ललिता देवी,
- 27 जुलाई 2022 से ही गायब है नौकरी के लिए गया सुरेश यादव

केटी न्यूज/डुमरांव

ए एसपी साहेब माई के दर्द बुझी, कईहू हमरा बेटवा के खोजी, हम ओकर के एक हाली देख ली ही... उक्त बातें रोते हुए भारी मन से डुमरांव के दक्षिण टोला स्थित चुन्नी कमकर की गली निवासी ललीता देवी ने कहीं। उनका कहना है कि उनका बेटा सुरेश यादव नामक युवक 24 जुलाई 2022 से ही गायब है। वह कुछ लोगों के बहकावे में आकर नौकरी के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसकी मां ललिता का कहना है कि जो लोग उसे नौकरी के नाम पर ले गए थे, वही लोग उसका बैग, आधार कार्ड तथा कपड़ा आदि लाकर घर दे गए तथा बोले कि वह पीछे से आ रहा है, लेकिन आज तक उनका बेटा वापस नहीं आया और पूछने पर वे लोग कोई स्पष्ट जबाव भी नहीं देते है। पिछले तीन वर्ष से स्थानीय पुलिस से कोई सहायता नहीं मिलने पर पीड़िता एसपी शुभम आर्य के यहां पहुंची और आवेदन दिया। उन्होंने अपने पुत्र को सकुशल बरामद करने की गुहार लगाई है। एसपी को दिए आवेदन में ललिता की बहू कविता ने जिक्र किया है कि उसके पति के गायब होने के बाद से आज तक इस मामले में पुलिस शिथिल बनी हुई है तथा अभियुक्त ताना मार रहे है। कविता ने अपने आवेदन में जिक्र की है कि परिवार में एकमात्र कमाने वाला सुरेश ही था, उसके जाने से परिवार के समक्ष भूखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। वहीं, एसपी को आवेदन देने के बाद ललिता ने बताया कि एसपी सर ने आश्वासन दिया है कि इस मामले में पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी। विदित हो कि नीतीश कुमार, सरोज यादव, दीपू कुमार, निशु कुमार, धनु यादव पर साजिश के तहत अपने पति को गायब करने का आरोप लगा है।

पोर्टल एंट्री में लापरवाही पर डीईओ ने बैठक के दौरान जताई चिंता

नामांकन में आ रही है कमी, करें दुरुस्त : डीईओ

- 50 से कम नामांकन होने पर विद्यालयों के विरुद्ध की जाएगी कार्रवाई
- ब्रह्मपुर में 81 विद्यालय, चौसा 65 विद्यालय एवं राजपुर में 71 विद्यालय में देखने को मिली

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार पांडे की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, एमआईएस डाटा एंट्री ऑपरेटर, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा, जिला एमआईएस प्रभारी जितेंद्र कुमार एवं एआरपी सुरेंद्र कुमार शामिल हुए। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य यू-डायसे पोर्टल पर 2023-24 अपेक्षा 2024-25 में नामांकन में आई गिरावट के कारणों पर मंथन करना था। बैठक में यह गंभीर चिंता व्यक्त की गई कि इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में छात्रों के नामांकन में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है। इस गिरावट के संभावित कारणों जैसे बच्चों का विद्यालय से ड्रॉपआउट होना, विद्यालयों द्वारा नामांकन की एंट्री अब तक नहीं किया जाना, या अन्य प्रशासनिक लापरवाही की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। जिला एमआईएस प्रभारी जितेंद्र कुमार ने प्रखंडवार एवं कक्षावार नामांकन के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए सभी बीईओ को चार दिनों के भीतर सभी लंबित नामांकन की एंट्री पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्रों के नामांकन में गिरावट पाई गई है, उन्हें बीआरसी बुलाकर संबंधित कंप्यूटर शिक्षक की सहायता से बच्चों की एंट्री की जाएगी और चार दिनों तक कार्य पूर्ण नहीं होने पर संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान यह भी सामने आया कि 385 विद्यालयों ने अब तक ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर विद्यालय इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित जानकारी अपलोड नहीं की है। इनमें सबसे अधिक लापरवाही ब्रह्मपुर में 81 विद्यालय, चौसा 65 विद्यालय एवं राजपुरे में 71 विद्यालय में देखने को मिली। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा अभियान ने सभी संबंधित विद्यालयों को चार दिनों के भीतर इंफ्रास्ट्रक्चर एंट्री पूर्ण करने का अंतिम निर्देश दिया है।

भोजपुर जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के बजरंग चौक के समीप घटी घटना

हाईवा ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में मारी टक्कर, चालक की मौत

♦ पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे पर जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के बजरंग चौक के समीप रविवार की अहले सुबह अनियंत्रित गिट्टी लदे हाईवा ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हाईवा चालक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि हाईवा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक उत्तर प्रदेश के चंदौली जिला के बलुआ थाना क्षेत्र के सोनवर्षा टंडा कला गांव निवासी रामजन्म कुमार का 23 वर्षीय पुत्र जय किशन है एवं वह पेशे से हाईवा चालक है। इधर मृतक के दूसरे ट्रक के चालक साथी धीरज पाल ने बताया कि वह 15 दिन पूर्व घर गया था और चल रहा था। शनिवार की शाम करीब 7 बजे उसने अपने पिता रामजन्म कुमार से फोन पर बात की थी और कहा था कि मैं उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिला के अरौला से ट्रक पर गिट्टी लोड कर बिहार के मोतिहारी जा रहा हूं। इसी बीच रविवार की अहले सुबह बजरंग चौक के समीप एक चालक अपने ट्रक को सड़क किनारे खड़ी कर पंचर हुए टायर को बदलने के लिए नीचे उतरा था। इस दौरान उसकी गिट्टी लदी हाईवा सड़क किनारे ट्रक में टकरा गई। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसके बाद उसके पीछे रहे दूसरे साथी ट्रक चालक धीरज पाल द्वारा फोन कर इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन धनगाई थाना पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जाता है कि मृतक अपने दो भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था। उसके परिवार में मां निर्मला देवी व एक बहन अमृता कुमारी एवं एक भाई सोनू कुमार है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां निर्मला देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस ने ट्रक का जब्त कर लिया है। और आगे की कार्रवाई कर रही है।

जिला संगठन विस्तार के लिए आप नेताओं ने की बैठक

आरा। आरा में आम आदमी पार्टी की बैठक हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में परशुराम सिंह कुशवाहा को जिला मीडिया प्रभारी और धीरज कुमार सिंह को व्यापार प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। जिलाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए हम सभी को तन-मन से लगना होगा। बूथ स्तर तक संगठन को 20 मई तक विस्तार कर प्रदेश कमिटी को सौंप दिया जाएगा। बैठक में जिला स्तर के सभी नेताओं ने अपने विचार साझा किए। बैठक में महिला प्रदेश अध्यक्ष रूबी सिंह, ओपी तिवारी और प्रदेश संयुक्त सचिव उदय सिंह उपस्थित रहे। जनार्दन सिंह, सजन कुमार, अंकित कुमार, संगठन मंत्री दिनेश सैनी, आकाश गौरव जिला प्रवक्ता डॉ सुरेन्द्र प्रसाद, आकाश कुमार, प्रमोद यादव सहित कई कार्यकर्ता थे।

जमीन की मापी करने जा रहे प्राइवेट अमीन को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, मौत

♦ सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाजार पर रविवार की सुबह घटी घटना

केटी न्यूज/आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के फतेहपुर बाजार पर रविवार की सुबह ई-रिक्शा ने पैदल जा रहे प्राइवेट अमीन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वहीं घटना के बाद चालक ई-रिक्शा लेकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरौल गांव बाल टोला निवासी स्व.बुधन राम के 60 वर्षीय पुत्र ललन राम है एवं वह पेशे से प्राइवेट अमीन थे। इधर मृतक के बेटे बाबूधन प्रसाद ने बताया कि रविवार की सुबह वह पैदल घर से सिकरौल गांव जमीन नापी करने के लिए जा रहे थे। उसी दौरान फतेहपुर बाजार पर पीछे से आ रही ई-रिक्शा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद वहां मौजूद लोगों द्वारा उन्हें इलाज के लिए फतेहपुर बाजार स्थित निजी क्लीनिक में ले जाया गया। उसके बाद उनके द्वारा फोन कर इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे। तभी निजी क्लिनिक के चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां चिकित्सक ने देख मृत घोषित कर दिया। इसके पश्चात परिजन ने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन बहन व एक भाई में छोटे थे एवं अपने मां-बाप के इकलौते चिराग थे।

प्यार में रोड़ा बन रहे बड़े भाई की छोटे ने सुपारी देकर करा दी हत्या

केटी न्यूज/सासाराम

सासाराम से चौका देने वाला मामला सामने आया है, जहां देवर-भाभी के खूनी खेल का खुलासा पुलिस ने किया है। दरअसल, सासाराम के तिलौथू थाना क्षेत्र के चोरकप गांव में बीते सप्ताह एक चौकीदार के बेटे अभिनंदन पासवान की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्या में शामिल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है और इस वारदात से जुड़े कुछ चौंकाने वाले तथ्यों का भी खुलासा किया है। सासाराम के एसपी रौशन कुमार ने बताया कि अभिनंदन पासवान की हत्या का मामला प्रेम प्रसंग और पारिवारिक विवाद से जुड़ा हुआ था। घटना के बाद तिलौथू थाना पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि मृतक की पहली पत्नी रविता कुमारी और छोटे भाई अभिमन्यु पासवान के बीच दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। अभिमन्यु की शादी होने वाली थी, लेकिन वह इस रिश्ते के लिए तैयार नहीं था। वहीं, उसका बड़ा भाई अभिनंदन चाहता था कि उसकी शादी हो, ताकि उसकी पत्नी के साथ उसके अवैध संबंध खत्म हो जाए। सूत्रों के अनुसार, यह समस्या इस हद तक बढ़ी कि रविता कुमारी और अभिमन्यु ने मिलकर अपने ही परिवार के सदस्य, यानी अभिनंदन पासवान की हत्या की साजिश रच डाली। घटना की सुबह, जब अभिमन्यु का तिलक समारोह होने वाला था, उसी दिन अभिनंदन की हत्या को अंजाम दिया गया। एसपी ने बताया कि घटना में शामिल तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ़्तार लोगों में चोरकप गांव के ही निखिल कुमार उर्फ निखिल सरकार को हत्या में साथ देने के लिए गिरफ्तार किया गया। जबकि गोली मारकर घटना को अंजाम देने के मामले में काराकाट थाना क्षेत्र के इटवा निवासी आनंद शर्मा का पुत्र अंकित कुमार शर्मा और रंगीला साहू का पुत्र विकास कुमार पिता रंगीला साव को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों अपराधियों को मृतक की पत्नी और भाई द्वारा दो लाख रुपए की सुपारी भी दी गई थी। जिसमें दो लाख रुपया दिया गया था। हत्या में शामिल देसी कट्टा, एक ऑल्टो कार, एक बाइक व दो मोबाइल फोन को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

भारतीय सेना के शौर्य को सलाम, कांग्रेस ने निकाला तिरंगा मार्च

आरा। भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और शहीदों के सम्मान में शनिवार को भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी ने तिरंगा मार्च निकाला। यह मार्च जिला अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में शहीद भवन चौक से शुरू हुआ। मार्च समाहरणालय स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तक गया। मार्च के बाद सभा हुई। इसमें जिला अध्यक्ष अशोक राम ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना ने पाकिस्तान में आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर पराक्रम दिखाया। यह कार्रवाई प्रशंसनीय है। इससे साफ संदेश गया कि भारत अपनी संप्रभुता और सम्मान से समझौता नहीं करेगा।

राजद का शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन

सामाजिक न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाने में जुटा है राजद : भाई वीरेंद्र

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय जनता दल भोजपुर जिला इकाई द्वारा शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी कार्यकताओं को सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और संगठनात्मक कार्यशैली के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद भोजपुर जिलाध्यक्ष वीरबल यादव ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कार्यकताओं से सामाजिक न्याय की लड़ाई को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया और पार्टी की विचारधारा के प्रति निष्ठा बनाए रखने पर बल दिया।कार्यक्रम में प्रदेश नेतृत्व द्वारा गठित विशेष प्रशिक्षण टीम के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया और अलग-अलग विषयों पर कार्यकताओं को मार्गदर्शन प्रदान किया। मनेर विधायक सह सभापति, लोक लेखा समितिभाई वीरेंद्र ने सामाजिक न्याय की अवधारणा, पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं इसके ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और समानता के विचार को लेकर पहुंचें। उन्होंने यह भी कहा कि लालू यादव का जो जिन्न था उसे फिर से साथ लाने की जरूरत है। वो जिन्न अतिपिछड़ा समाज के लोग है। उन्होंने कार्यकताओं को एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने भाजपा को भी आड़े हाथ लिया और कहा कि बीजेपी के लोग गांधी के दुश्मन और गोडसे को मनाने वाले है। यह बात गांव में पहुंचाना होगा। नीतीश कुमार के राज में बिहार भ्रष्टाचार और अपराध का केंद्र बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि तेजस्वी यादव की सरकार बनने पर बेरोजगारों को रोजगार, गैस सिलेंडर के दाम 500 रुपए, 200 यूनिट बिजली मुफ्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1500 रुपया, माई बहिन मान योजना के तहत 2500 रुपया दिया जाएगा। वहीं शाहपुर के विधायक राहुल तिवारी ने सभी पंचायतों से आए कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि शाहपुर की जनता के लिए दिन रात काम किया जा रहा है। क्षेत्र में डिग्री कॉलेज, हर गांव में पक्की सड़क, कटाव की समस्या का हल सहित अन्य कार्यों को पूरा कर लिया गया है। विधायक निधि का शत प्रतिशत उपयोग जनता के हित को ध्यान रखते हुए किया गया है।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न पथों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का किया निरीक्षण

भरी दोपहरी पटना की सड़कों का जायजा लेने पहुंचे सीएम नीतीश, दिए कई निर्देश

केटी न्यूज/सीतामढ़ी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना जिलान्तर्गत विभिन्न पथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया। यह पथ तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डीपीएस स्कूल एवं लोदीपुर, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ता है। उसरी छितनावां पथ का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा पटना जिला की प्रगति यात्रा के दौरान किया गया था। हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य होने से उसरी छितनावां, शिवाला, नौबतपुर, बिकम, पाली, जहानाबाद एवं आरा की ओर जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग मिलेगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने शिवाला आरओबी का निरीक्षण किया। साथ ही शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री चांदमारी गांव के पास रुककर पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री सैनिक मोड़, दानापुर के पास भी रुके तथा सगुना मोड़ के पास निर्माण कराए जा रहे पटना मेट्रो रेल कार्य का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्मित पथों के मेंटनेंस को लेकर तथा निमार्णाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह, एसएसपी अवकाश कुमार अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ग्रामीण सड़कों पर खर्च होंगे 21733 करोड़ रुपये

पटना। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम को एक नए अवयव के रूप में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण सड़कों के नियमित एवं व्यवस्थित पुनर्निर्माण/उन्नयन/नवीनीकरण को सुनिश्चित करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर हुए कुल 14,087 पथों (लंबाईः 24,482 किमी) के सुदृढ़ीकरण हेतु 21,733 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत उन सभी ग्रामीण पथों को आगामी सात वर्षों तक मानक अनुरूप सेवा स्तर पर बनाए रखने की व्यवस्था की गई है, जो अपनी पंचवर्षीय अनुरक्षण/त्रुटि निवारण अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इस अवधि के भीतर इन पथों के पर दो बार कार्य कराया जाएगा। इस कार्यक्रम से न केवल गांवों और शहरों के बीच की दूरी घटेगी, बल्कि राज्य की सामाजिक संरचना को नया आयाम और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। इस कार्यक्रम के जरिए सीएम नीतीश कुमार के उस महत्वाकांक्षी विजन को साकार करेगा, जिसके तहत राज्य के किसी भी सुदूरवर्ती क्षेत्र से भविष्य में मात्र 4 घंटे में राजधानी पटना तक की सुगम और निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी। इसके होने से ग्रामीण इलाके की सड़कों को मजबूती मिलेंगी। उसके अलावा ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय होगी। सड़क जल्दी खराब और क्षतिग्रस्त नहीं होगी। क्षतिग्रस्त होने पर समय से उसकी मरम्मत हो जाएगी।

पटना हाईकोर्ट में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करनेवाला कंप्यूटर ऑपरेटर गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

पटना उच्च न्यायालय में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लोगों को अपने ठगी का शिकार बनाने वाले कंप्यूटर ऑपरेटर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान सुभाष चन्द्र के रूप में की गई है। इस संबंध में कोतवाली थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि आरोपी सुभाष चन्द्र उच्च न्यायालय में निजी कंप्यूटर ऑपरेटर था। वह कंप्यूटर के द्वारा जाली कागजात बनाने में माहिर था। इसलिए उसने अपने शैतानी दिमाग से कम समय में ज्यादा रुपया कमाने के लिए फर्जी कागजात बनाने लगा। इसी दौरान उच्च न्यायालय में चपरासी की बहाली निकली, जिसमें उसने फर्जी नियुक्ति पत्र, फर्जी आईकार्ड, उससे संबंधित कागजात बनाकर अभ्यर्थियों को उपलब्ध करवाता था। इतना ही नहीं वह उससे संबंधित प्रॉपर फर्जी आईकार्ड भी बनाता था। कोतवाली थानाध्यक्ष राजन कुमार ने बताया कि सुभाष चन्द्र गैंग का मुख्य सरगना है। उसके साथ कुछ अन्य लोग भी थे जो इस गोरखधंधे में शामिल थे। सुभाषचंद्र इतना शातिर था कि दो लाख रुपए में फर्जी नियुक्ति पत्र के आधार पर लोगों को बहाल करा देता था।

मुंगेर में वांछित को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

केटी न्यूज/पटना

मुंगेर जिले के मिन्नत नगर में रविवार को आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपी मो. अनवारुल को पकड़ने गई पुलिस टीम पर उसके परिजनों और स्थानीय लोगों ने विरोध कर हमला कर दिया। इससे उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस झड़प में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। स्थिति पर काबू पाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल को मौके पर भेजा गया, जिसके बाद आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान मौके से एक संदिग्ध स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया गया, जिसमें भारी मात्रा में सिगरेट बरामद की गई। मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि वांछित आरोपी मो. अनवारुल अपने घर मिन्नत नगर में मौजूद है और स्कॉर्पियो वाहन से फरार होने की योजना बना रहा है। सूचना के आधार पर सब इंस्पेक्टर अनीता कुमारी के नेतृत्व में एक पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जैसे ही पुलिस ने दबिश दी, परिजनों ने अनवारुल को भगाने की कोशिश की और पुलिस टीम से उलझ पड़े। देखते ही देखते आसपास के लोग भी जुट गए और पुलिस के विरोध में खड़े हो गए।

इस झड़प के दौरान आरोपी के परिजनों और समर्थकों ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी, जिसमें सब इंस्पेक्टर अनीता कुमारी समेत जवान अभिनव कुमार, नितीश कुमार और शिवम कुमार घायल हो गए। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां से पुलिस ने आरोपी के पिता मो. सहाबुद्दीन, जो कि बिहार पुलिस से सेवावनिवृत्त जवान हैं, को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मौके से एक स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त किया गया, जिसमें दो बड़े कार्टूनों में भारी मात्रा में सिगरेट पाई गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद स्वयं मुफस्सिल थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि बरामद सिगरेट की जांच राज्य कर विभाग के आयुक्त से कराई जाएगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि सिगरेट असली है या नकली। मुख्य आरोपी मो. अनवारुल अब भी फरार है।

10 लाख रु. का इनामी खालिस्तान का कुख्यात आतंकवादी कश्मीर सिंह मोतिहारी से गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

एनआईए के सहयोग से मोतिहारी पुलिस को रविवार की शाम बड़ी सफलता मिली है। मोतिहारी नगर थाना पुलिस ने खालिस्तान का कुख्यात आतंकवादी कश्मीर सिंह गलवड्डी उर्फ बलबीर सिंह को गिरफ्तार किया है। जिसकी तलाश 2022 के पंजाब के मोहाली में घातक विस्फोट करने का आरोप है। इसके नेतृत्व में मोहाली के पंजाब पुलिस के खुफिया विंग मुख्यालय पर रॉकेट चालित ग्रेनेड हमला करने का आरोप है। गलवड्डी को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। बलबीर सिंह पर 10 लाख का इनाम एनआईए ने घोषित किया था। बलबीर सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 121, 121-ए और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 17, 18, 18-बी और 38 के तहत मामला दर्ज है। कश्मीर सिंह गलवड्डी उर्फ बलबीर सिंह लुधियाना का मूल निवासी है। उस पर खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट, बब्बर खालसा इंटरनेशनल और द इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन द्वारा देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए रची गई साजिश से संबंधित मामला दर्ज है। मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि मोतिहारी में क्या करने आया था। साथ ही देश की सुरक्षा के हरेक पहलुओं पर जांच की जा रही है। ध्यान रहे कि इस कार्रवाई में मोतिहारी पुलिस भी साथ रही। मोतिहारी पुलिस और एनआईए की टीम ने इस आतंकी को गिरफ्तार किया है। इसे राष्ट्रीय स्तर पर पुलिस की बड़ी सफलता बताई जा रही है। खालिस्तानी आतंकी कश्मीर सिंह की देश की पुलिस और पंजाब की पुलिस तलाश कर रही थी। पुलिस इसे बड़ी सफलता मानकर चल रही है।

एम्स के पास मिला मजदूर का शव, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

पटना। राजधानी पटना स्थित एम्स के पास एक मजदूर का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के मलिकपुर गांव निवासी आलम खलीफा के पुत्र कासिम खलीफा के रूप में हुई है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन पटना पहुंचे और शव की पहचान कर उसे गांव ले आए। परिजनों ने इस मौत को हादसा नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। उनका आरोप है कि गांव के ही कुछ लोग कासिम को मजदूरी के बहाने पटना ले गए थे और वहीं उसके साथ मारपीट कर हत्या कर दी गई।

पूर्व आईपीएस ने हवेली खड़गपुर प्रखंड में जनता से किया सीधा संवाद

बेरोजगारी और पलायन बिहार की सबसे बड़ी समस्या है इसका समाधान निकालना जरूरीः शिवदीप लांडे

केटी न्यूज/पअना

पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं हिन्द सेना के चीफ शिवदीप लांडे ने बिहार की बेरोजगारी, उद्योगहीनता और लगातार हो रहे पलायन को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। अपने दो दिवसीय दौरे के तहत मुंगेर पहुंचे लांडे ने रविवार को हवेली खड़गपुर प्रखंड में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान युवाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में 60 लाख शिक्षित युवा बेरोजगार हैं और राज्य में न तो रोजगार के पर्याप्त अवसर हैं, न ही व्यापार या इंडस्ट्री का आधारभूत ढांचा। अपने दौरे की शुरूआत में लांडे ने खड़गपुर स्थित नंदलाल बसु चौक पर प्रसिद्ध चित्रकार नंदलाल बसु की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके पश्चात वे अंबेडकर चौक पहुंचे, जहां संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। यहां से उन्होंने खड़गपुर हाट बाजार तक पदयात्रा की, जिसमें स्थानीय लोगों और युवाओं की भारी भागीदारी देखने को मिली। इस पदयात्रा के बाद माड़वारी टोला स्थित एक होटल में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में उन्होंने जनता से सीधे संवाद किया। शिवदीप लांडे ने कहा कि बिहार में व्यापार और उद्योग के अवसर पूरी तरह नगण्य हैं, जिससे यहां के शिक्षित युवाओं के पास सरकारी नौकरी के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। उन्होंने कहा कि प्राइवेट सेक्टर पूरी तरह से ठप है और सरकार की नीतियां भी रोजगार सृजन में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और पलायन बिहार की सबसे बड़ी समस्याएं हैं और जब तक इनका समाधान नहीं होगा, तब तक राज्य का विकास नहीं हो सकता।

सभी 243 सीटों पर लड़ेंगी हिन्द सेनाः उन्होंने यह भी ऐलान किया कि हिन्द सेना आगामी विधानसभा चुनावों में राज्य की 243 में से सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि बिहार की राजनीति को नया चेहरा देने और साफ-सुथरी राजनीति के लिए युवाओं को आगे लाने की जरूरत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमें अच्छे युवाओं को राजनीति में लाना है, बिहार को बदलना है। शिवदीप लांडे ने कहा कि भले ही उनका जन्म बिहार में नहीं हुआ, लेकिन यह राज्य हमेशा उनकी कर्मभूमि रहा है। उन्होंने बिहार के लोगों से मिल रहे प्यार और समर्थन पर आभार जताया और कहा कि हर जाति और वर्ग के लोग हिन्द सेना से जुड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें भारी संख्या में संदेश मिल रहे हैं, जिसमें लोग उनकी पार्टी से जुड़ने की इच्छा जता रहे हैं।

भीषण गर्मी के बावजूद, जनसंवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सैकड़ों युवाओं में खासा जोश और उत्साह देखा गया। लांडे की उपस्थिति ने युवाओं के भीतर नेतृत्व और बदलाव की भावना को और मजबूत किया। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए एक नई राजनीतिक सोच की आवश्यकता है, जिसे हिन्द सेना आगे बढ़ा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मदर डे पर स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस की ओर से मदर्स डे पर आलोकित प्ले स्कूल के बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने भाग लिया। बेहतर प्रदर्शन करू वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। आयोजन को सफल बनाने में एसबीआईई लाइफ इंश्योरेंस के मैनेजर आशुतोष कुमार गुप्ता, लाइफ मित्र संजय कुमार, प्राचार्य अर्चना भारती एवं शिक्षकों के योगदान रहा।

राष्ट्र सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, अफवाह व भ्रामक मैसेज फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करें: हेमंत

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने अफसरों को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश में ताजा हालात को देखते हुए झारखंड में एक-एक जनमानस की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। जरूरी नागरिक सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष फोकस रखें। कार्ययोजना बनाकर राज्यवासियों की सुरक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम जल्द उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य में सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को एक्टिव करें। आवश्यकता के अनुसार सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स की संख्या बढ़ाएं। सिविल डिफेंस के क्षेत्र में काम करने वाले संस्थानों से समन्वय बनाकर बेहतर सुरक्षा व्यवस्था के लिए कार्ययोजना बनाएं। सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को त्वरित राहत, बचाव कार्य, जनजागरूकता और सामुदायिक क्षमता निर्माण जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दी जाए।

800 करोड़ के जीएसटी घोटाले में 3 और आरोपी गए जेल, रिमांड पर लेगा ईडी

रांची, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 800 करोड़ रुपए के जीएसटी घोटाले में कोलकाता से गिरफ्तार तीन आरोपियों को शनिवार को रांची की पीएमएलए विशेष अदालत में पेश किया। अदालत ने तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों में कारोबारी अमित गुप्ता, शिव कुमार देवड़ा और मोहित देवड़ा शामिल हैं। ईडी ने इन्हें शुक्रवार को कोलकाता से पकड़ा था। ट्रांजिट रिमांड पर तीनों को हवाई जहाज से रांची लाया गया ।इससे एक दिन पहले ईडी ने जमशेदपुर के जुगसलाई के कारोबारी विक्की भालोटिया को भी गिरफ्तार कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। जांच में सामने आया है कि सभी आरोपियों ने मिलकर 135 कागजी कंपनियां बनाई थीं। इन कंपनियों के जरिए फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया गया। शिव कुमार देवड़ा के निर्देशन में सात कंपनियां चलाई जा रही थीं। इनके जरिए उसने 55 ।83 करोड़ रुपए का इनपुट टैक्स क्रेडिट लिया। अमित व सुमित गुप्ता के निर्देशन में छह कंपनियां थीं। इनके माध्यम से 47 ।51 करोड़ रुपए का लाभ उठाया गया। ईडी अब इन चारों आरोपियों को रिमांड पर लेने की तैयारी में है। इसके लिए मंगलवार तक पीएमएलए की विशेष अदालत में आवेदन दे सकती है।

सारंडा में सक्रिय 12 नक्सली सरेंडर की तैयारी में

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर जिले के सारंडा में सक्रिय 12 नक्सली झारखंड पुलिस के समक्ष जल्द ही सरेंडर करने वाले हैं। भाकपा माओवादी नक्सली संगठन से जुड़े ये 12 नक्सली सरेंडर करने के लिए पुलिस के संपर्क में हैं। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर फिलहाल इन नक्सलियों के नाम या अन्य जानकारी साझा नहीं की गयी है ।सरेंडर करने वाले नक्सली 1 करोड़ के इनामी और पोलित ब्यूरो सदस्य मिशिर बेसरा के दस्ते के लिए काम कर चुके हैं। पुलिस अधिकारी स्पेशल ब्रांच के सहयोग से इन नक्सलियों के नक्सल रिकॉर्ड खंगाल रही है। सभी 12 नक्सलियों ने सरेंडर करने की तैयारियां शुरू कर दी है। झारखंड पुलिस द्वारा जल्द ही इन नक्सलियों को आधिकारिक रूप से सरेंडर घोषित किया जा सकता है ।झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ लगातार चलाये जा रहे सर्च अभियान से विभिन्न क्षेत्रों में नक्सली कमजोर हुए हैं। 15 अप्रैल को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के 15 बंकर ध्वस्त कर दिये थे, जिसमें मिशिर बेसरा का बंकर भी शामिल था। इसके बाद से कई नक्सली अपने दस्ते को छोड़कर अलग हो गये है, जिनमें से कई नक्सली सरेंडर करने के लिए पुलिस के संपर्क में है।

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच सहमे झारखंड के छात्र, जम्मू- श्रीनगर से वापस लौट रहे

धनबाद, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनातनी से जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे छात्र भी भय व दहशत में हैं। दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात पैदा होने के बाद जम्मू-कश्मीर के शैक्षणिक संस्थानों में कक्षाएं सस्पेंड हैं।

धरती के स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर से भारी संख्या में छात्र अपने-अपने राज्यों को लौट रहे हैं। इनमें से काफी संख्या में बिहार व झारखंड के छात्र भी शामिल हैं। शनिवार की सुबह श्रीनगर के राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) से करीब 200 की संख्या में स्टूडेंटस व अध्यापकों का दल अपने राज्य के लिए लौट गया।

निफ्ट श्रीनगर के अलावा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू से भी झारखंड के कई छात्र अपने राज्य लौटने लगे हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर में प्रशासन की ओर से छात्रों को लौटने में भरपूर मदद करने के साथ ही सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया।

निफ्ट परिसर के बगल में ड्रोन अटैक से कई छात्र सहम गए हैं। परिसर के बाहर पाकिस्तान की ओर से कई बार ड्रोन हमले हो चुके हैं। चूंकि श्रीनगर एयरपोर्ट से निफ्ट परिसर महज 20 किमी की दूरी पर है, इसलिए संस्थान संवेदनशील जगह पर है। संस्थान के एक छात्र ने बताया कि शुक्रवार रात साढ़े दस बजे परिसर के पास ड्रोन अटैक हुआ। इसके बाद शनिवार सुबह पांच बजे प्रशासन ने सबको परिसर से बाहर आने का अलर्ट किया।

इसी बीच सुबह के पांच से छह बजे के बीच परिसर के बाहर में धमाकों की आवाज भी सुनी गई। जिला प्रशासन की मदद से निफ्ट के करीब 200 छात्रों व फैकल्टी मेंबर को बसों व ट्रेनों के जरिए भेजने की कवायद हुई। छात्र रामबन से बडगाम व संगलदान से अपने अपने राज्यों को लौटने के लिए निकल पड़े।

निफ्ट में पढाई कर रही झारखंड के रांची की छात्रा उर्वि ने बताया कि परिसर में भय व दहशत के कारण पढ़ाई पूरी तरह बाधित रही। ऊपर से ड्रोन अटैक व पाकिस्तान की नापाक हरकतों से छात्रों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर में पढ़ाई कर रही देवघर की पूजा सिंह ने बताया कि उसके अलावा सैकड़ों छात्र संस्थान को छोड़ अपने अपने राज्यों में लौट आए हैं। अब उनकी चिंता है कि कब से पढ़ाई सामान्य होगी। इस तरह की चिंता सभी छात्रों की है।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय से पत्रकारिता की पढ़ाई कर रहे रतन कुमार ने बताया कि शनिवार की सुबह वे जैसे-तैसे दिल्ली लौटे हैं। रेलवे स्टेशन पर लौट रहे छात्रों समेत अन्य लोगों की भीड़ है। रतन का कहना है कि उनके घरवाले चिंतित हैं। सरकार और भारतीय सेना पाकिस्तान का ऐसा इलाज करे कि आतंकवाद का पूरी तरह खात्मा हो जाए।निफ्ट के फैकल्टी प्रो शशि कुमार ने बताया कि काफी संख्या में बिहार, झारखंड, बंगाल व ओडिशा समेत अन्य राज्यों के छात्र शनिवार को परिसर छोड़कर लौट गए हैं।

निफ्ट श्रीनगर में पढ़ रहे झारखंड दुमका के निखिल कुमार भीतर से डरे हैं। परिसर के बाहर ड्रोन अटैक से इनके मन में डर जरूर है, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ इनके हौसले बुलंद है।

रांची विश्वविद्यालय समेत 4 विवि में होगी कुलपति की नियुक्ति, आवेदन प्रक्रिया शुरू

रांची, एजेंसी। रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी, झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी और जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में कुलपति की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए देशभर से योग्य एवं प्रशासनिक क्षमता वाले उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। उम्मीदवार 25 मई 2025 की शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास यूजीसी एक्ट 2018 के तहत योग्यता होना अनिवार्य है। इसके अलावा कम से कम 10 साल प्रोफेसर के रूप में पढ़ाने या शोध क्षेत्र संस्थान का अनुभव हो। एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटिव आर्गेनाइजेशन में कार्य किये हों, साथ ही एकेडमिक लीडरशिप का अनुभव हो। उम्मीदवार की आयु 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सबसे पहले सर्च कमेटी द्वारा आवेदनों की स्क्रूटनी होगी। इसके बाद उम्मीदवारों का इंटरेक्शन होगा। कमेटी पैनल बनाकर राज्यपाल सह कुलाधिपति के पास उम्मीदवारों की सूची भेजी जायेगी। राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह से किसी एक नाम पर विचार करेंगे। इंटरेक्शन के दौरान उम्मीदवार को विश्वविद्यालय के विकास के लिए अपने विचार बताने होंगे।

वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और झारखंड ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टीएन साहु हैं। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता को कोल्हान विवि का कुलपति नियुक्त कर दिया गया है। फ़िलहाल उन्हें जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के कुलपति का प्रभार सौंपा गया है। वर्तमान में कार्यरत इन सभी कुलपति का 3 वर्ष का कार्यकाल जून 2025 में समाप्त हो रहा है।

अबुआ आवास लाभुकों पर शुरू हुआ प्रशासन का ऐक्शन, थाने में हो रहा नामजद केस

घाटशिला, एजेंसी। झारखंड में अबुआ आवास योजना के तहत लोगों को घर बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना के तहत जिनके पास आवास नहीं है, उन्हें सरकारी मदद से घर बनाने का पैसा दिया जा रहा है। इस योजना के ज्यादातर लाभार्थी आवास का निर्माण करवा भी रहे हैं, लेकिन कई जिलों में यह देखने को मिला है कि अबुआ आवास के लाभार्थी सरकार से पैसा मिलने के बाद आवास का निर्माण नहीं करवा रहे हैं, बल्कि उस पैसे से दूसरे काम कर रहे हैं।

अब प्रशासन ने ऐसे लाभार्थियों पर ऐक्शन लेना शुरू कर दिया है। इस दौरान ऐसे लाभार्थी जो योजना का लाभ लेकर आवास निर्माण नहीं करवा रहे हैं प्रशासन उनपर नामजद केस दर्ज करवा रहा है। हाल ही में प्रशासन ने घाटशिला के डंडई इलाके में अबुआ आवास योजना मद की पहली किस्त लेने के बाद भी आवास निर्माण शुरू नहीं करने वाले 47 लाभुकों के खिलाफ स्थानीय थाने में नामजद केस दर्ज करवाया है। बीडीओ देवलाल करमाली के आवेदन पर पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीडीओ की ओर से दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में लाभुकों को अबुआ आवास योजना का लाभ दिया गया था। उसके बाद उन्हें पहली किस्त का भुगतान भी किया गया। पहली किस्त की राशि लेने के बाद भी लाभुकों ने आवास निर्माण का काम शुरू नहीं किया। काम शुरू करने के लिए भी लाभुकों को अल्टीमेटम दिया गया। उसके बाद उन्हें भुगतान की गई पहली किस्त की राशि नजारत में जमा करने का भी निर्देश दिया गया। उसके लिए दो-दो बार उन्हें नोटिस दिया गया। नोटिस के बाद भी राशि जमा नहीं किया गया। बीडीओ की उक्त कार्रवाई से हड़कंप मच गया। बीडीओ ने बताया कि एक तो गरीब गुरबों को योजना का लाभ दिया गया।

धनबाद के निरसा में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा प्रखंड स्थित संबंधपुर गांव में बीती रात एक घर में आग लग गई। निर्मल रवानी के घर में लगी इस आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। घटना उस समय की है जब गांव और घर के अधिकांश लोग सो रहे थे। आग की लपटें और धुएं को देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामवासियों ने तुरंत बाल्टी, टंकी और पाइप से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग इतनी तेज थी कि उनके प्रयास काफी नहीं पड़े।दमकल विभाग को सूचना दी गई। हालांकि, स्थानीय लोगों के अनुसार दमकल की गाड़ी के पहुंचने में देरी हुई। इस बीच आग पूरे घर में फैल गई। घर में रखा सारा सामान जल गया। प्राथमिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन घर में रखे कीमती सामान, कपड़े और फर्नीचर जलकर राख हो गए।

रांची में लगे स्मार्ट मीटर हुए स्विचऑन और प्रीपेड, रिचार्ज नहीं कराया तो अब स्वत: कटेगी बिजली

रांची, एजेंसी। जेबीवीएनएल द्वारा रांची के उपभोक्ताओं के लिए लगाए गए प्री-पेड स्मार्ट मीटर स्विच ऑन होने के बाद प्रीपेड मोड में चला गया है। जेबीवीएनएल, उपभोक्ताओं की सिक्यूरिटी मनी, बिल माफी आदि को एडजस्ट करने की प्रक्रिया समाप्त कर चुका है। अब कई उपभोक्ताओं का बकाया माइनस में चला गया है और उन्हें हर महीने नियमित रूप से मोबाइल पर मैसेज भेजा जा रहा है। अब अगर उपभोक्ता मीटर रिचार्ज नहीं कराते हैं, तो उनकी बिजली काट दी जाएगी। अब तक रांची में करीब 800 से अधिक उपभोक्ताओं का कनेक्शन कट चुका है। अभी जेबीवीएनएल 10 हजार या उसके ऊपर के बकाएदारों की बिजली काट रहा है। एक जून से अभियान तेज होगा। माइनस बैलेंस वालों की बिजली गुल हो जाएगी।

3.30 लाख स्मार्ट मीटर लगे, शेष घरों में एक माह में लगेंगे: जेबीवीएनएल द्वारा रांची के साढ़े तीन लाख शहरी बिजली उपभोक्ताओं में से करीब 3.30 लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जो स्विच ऑन होकर प्रीपेड मोड में जा चुके हैं। शेष बचे मीटर एक महीने के अंदर लगाने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। जिनका मैसेज नहीं आ रहा, तुरंत अपना मोबाइल नंबर लिंक कराएं।

बिजली कटने से बचने के लिए यह भी है विकल्प: उपभोक्ताओं के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए रिचार्ज अमाउंट पुराने सिस्टम जैसे एटीपी मशीन में जाकर या फिर ऑफलाइन भी जमा करा सकते हैं। जिन उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड में जा चुका है, उनके घरों पर पहले की तरह अब मीटर रीडर नहीं जाएंगे। रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही हर महीने जेनरेट बिल और अमाउंट की सूचना आ जाएगी। इसके बाद उपभोक्ता विकल्पों के जरिए अपना बिजली कट से बच सकते हैं।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं के पास सूचना हर महीने भेजी जा रही है। जिनका बैलेंस जीरो हो चुका है, उनका कनेक्शन कट होना शुरू हो चुका है। जिन उपभोक्ताओं का 10 हजार या उससे अधिक बकाया है, उनका कनेक्शन काटा जा रहा है। अगले महीने सभी तरह के बकाया वाले उपभोक्ताओं का कनेक्शन कटना शुरू हो जाएगा।

सिक्यूरिटी मनी, बिल माफी के सारे पैसे हुए एडजस्ट, अब रिचार्ज कराना हुआ जरूरी6एक जून से सभी बकाएदारों की बिजली काटने का अभियान तेज करेगा विभाग।

ई-केवाईसी नहीं करवाने वालों का गैस कनेक्शन हो सकता है ब्लॉक, 3 लाख से अधिक उपभोक्ता होंगे परेशान

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में करीब 3 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने केवाईसी नहीं कराया है, जिसकी वजह से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार, गैस कंपनियों के द्वारा वास्तविक गैस उपभोक्ताओं की पहचान करने के लिये सभी उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी कराया जा रहा है। इसका लक्ष्य है कि रसोई गैस सही उपभोक्ता तक पहुंच सके। लेकिन रांचीवासी इस प्रक्रिया में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिसका खामियाजा उन्हें बाद में भुगतना पड़ सकता है।

बता दें कि रांची में तीन गैस कंपनियों के लगभग 7 लाख 25 हजार गैस उपभोक्ता हैं। लेकिन इनमें से केवल 3 लाख 67 हजार उपभोक्ताओं ने ही ई-केवाईसी कराया है। अब भी करीब 3 लाख 57 हजार लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराया है। मालूम हो कि इनमें से इंडेन के 4।71 लाख, भारत गैस के 1।51 लाख और एचपी गैस के 1।03 लाख गैस उपभोक्ता हैं।

वहीं, ई-केवाईसी के माध्यम से गैस कंपनियां सही गैस उपभोक्ताओं की पहचान करती है। ऐसे में अगर कई उपभोक्ता ऐसा है, जो अपने आवासीय पते को छोड़कर दूसरी जगह पर रहने चले गये हैं। लेकिन उनका कनेक्शन अब भी चल रहा है और इसका प्रयोग कोई अन्य व्यक्ति कर रहा है। इन्हें ई-केवाईसी नहीं कराने पर आने वाले दिनों में परेशानी बढ़ सकती है। साथ ही उनका गैस कनेक्शन भी ब्लॉक किया जा सकता है।

गैस कंपनियां ग्राहकों के फिंगर प्रिंट स्कैनर और फेस आईडी के जरिये ई-केवाईसी का काम कर रही है। ई-केवाईसी करवाने के लिये उपभोक्ताओं के पास आधार कार्ड के साथ-साथ रसोई गैस के उपभोक्ता नंबर की भी आवश्यकता होगी। इस दौरान उन लोगों का होना जरूरी है, जिन उपभोक्ताओं के नाम से गैस कनेक्शन है। इनका ई-केवाईसी में फिंगर स्कैनर या चेहरे से वेरिफिकेशन किया जा रहा है। इसके बाद यह प्रक्रिया पूरी होगी।

लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन के 57 हजार 993 मामले का निष्पादन

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग सिविल कोर्ट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ पूरे राज्य में एक साथ ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने किया। इस मौके पर उनके साथ न्यायमूर्ति अनुभा रावत भी मौजूद थी। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देशानुसार आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह के आधार पर प्री-लिटिगेशन के 57 हजार 993 मामले जबकि 7 हजार 111 लंबित राजस्व न्यायालय एवं दीवानी न्यायालय के मामलों का निष्पादन किया गया। इस नेशनल लोक अदालत में कुल 75 करोड़ 08 लाख 97 हजार 581 रुपए की राशि पर सहमति बनी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के बैनर तले आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत की अगुवाई प्रधान जिला जज रणजीत कुमार ने किया। इस मौके पर उनके साथ मंच पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम संजीता श्रीवास्तव, जिला वन पदाधिकारी मौन प्रकाश, हजारीबाग बार संघ अध्यक्ष राजकुमार और बार संघ उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह मौजूद थे। इस कार्यक्रम में सभी न्यायिक पदाधिकारी, वकील, संबंधित विभाग के पदाधिकारी और पक्षकार भी शामिल हुए।

इस मौके पर प्रधान जिला जज रणजीत कुमार ने कहा कि मामलों के निष्पादन में लोक अदालत एक ऐसा वैकल्पिक माध्यम है, जिससे त्वरित व सुलभ न्याय मिलता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे देश में झारखंड लोक अदालत के मामले में सबसे आगे हैं। उन्होंने सभी से लोक अदालत को अपनाने की बात कही। बार संघ अध्यक्ष राजकुमार ने कहा कि हमेशा से ही बार संघ लोक अदालत में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रहा है और हरसंभव मदद करने को लेकर तैयार है। उन्होंने पक्षकारों से इसे ज्यादा-से-ज्यादा अपनाने की बात कही। बार संघ उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वैसे मामले जिसमें पक्षकारों के बीच थोड़ी असमंजस की स्थिति हो, वहां न्यायिक पदाधिकारी हस्तक्षेप कर मामलों का निष्पादन करा सकते हैं। मंच का संचालन न्यायिक पदाधिकारी अनुष्का जैन ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना ने दिया। मामलों के निष्पादन के लिए 11 बेंच का गठन किया गया था।

इन मामलों का निपटारा नेशनल लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 604 मामले, सुलहनीय आपराधिक 226 मामले, बिजली के 290 मामले, भू-अर्जन के 1018 मामले, श्रम विवाद से संबंधित 1 मामले, मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित 10 मामले, वैवाहिक विवाद से संबंधित 21 मामले, सिविल प्रकृति के 10 मामले, पानी बिल व अन्य टैक्स से संबंधित 169 मामले, चेक बाउंस के 85 मामले, वित से संबंधित 23598 मामले और अन्य 39 हजार 72 मामलों का निपटारा पक्षकारों की आपसी सहमति से किया गया।

10 साल के बच्चे को पहले दफनाया, तीन दिन बाद ही शव निकालना पड़ा, मौत की वजह जान हैरान रह गए माता-पिता

सारवां, (देवघर), एजेंसी। तीन दिन पहले बेटे प्रीतम की मौत के बाद पिता राजेश यादव ने गांव के ही एक व्यक्ति पर पिटाई करने का आरोप लगाते हुए सारवां थाना में मामला दर्ज कराया।

आरोप लगाया कि पिटाई के कारण बेटे की मौत इलाज के क्रम में हो गयी। उसे इसका न्याय दिला दें। मामले में नया मोड़ तब आ गया जब एसडीएम ने मृतक के पिता की फरियाद पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दफनाए गए शव का पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया।

अनुमंडल पदाधिकारी देवघर के आदेश के बाद दंडाधिकारी और पुलिस की संयुक्त टीम ने सारवां के अजय नदी घाट से किशोर के शव को निकाला और ताबूत में बंद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए देवघर सदर अस्पताल भेज दिया।

सदर अस्पताल में दंडाधिकारी की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड के द्वारा शव का पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। मामला सारवां थाना क्षेत्र के मनीगढ़ी गांव का है।

मनीगढ़ी गांव निवासी राजेश यादव के 10 वर्षीय पुत्र के शव को प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सीओ राजेश कुमार साहा, थाना प्रभारी कौशल कुमार सिंह की उपस्थिति में निकाला गया। इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद थे। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को देवघर सदर अस्पताल भेजा दिया गया।

मृतक के पिता थाना क्षेत्र के मनीगढ़ी गांव निवासी राजेश यादव ने थाने में आवेदन देकर गांव के ही एक व्यक्ति पर पुत्र को मारपीट कर गंभीर करने और इस कारण इलाज के क्रम में उसकी मौत हो जाने का आरोप लगाया है।

इसके आलोक में एसडीएम देवघर के निर्देश पर सारवां सीओ राजेश कुमार साहा को दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। दंडाधिकारी के मौजूदगी में शव को बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

दिए गए आवेदन में पिता ने आरोप लगाया है कि सात मई को 12=30 बजे दिन में उनका नाबालिग पुत्र प्रीतम कुमार अपने हम उम्र मित्रों के साथ मनीगढ़ी स्कूल के बगल में गनू झा के आम के पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहा था।

इसी बीच गनू झा वहां आ गया और उसे देखकर सभी बच्चे भाग गए। आरोप है कि प्रीतम पेड़ से नीचे नहीं उतर पाया । उसको आरोपित ने जबरन नीचे उतारा और अपने दोनों हाथों से जान मारने की नीयत से उसके गर्दन को पकड़कर उसे जमीन पर पटक दिया। इस कारण वह बेहोश हो गया।

आनन-फानन में ग्रामीणों के सहयोग से उसे इलाज के लिए सारवां सीएचसी ले गया गया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल देवघर भेज दिया गया। जहां इलाज के क्रम में उसका सीटी स्कैन कराया गया।बाद में इलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गई। उसकी मौत हो जाने के बाद गनू झा के सहयोगियों ने सांप काटने के कारण मृत्यु की अफवाह फैला दिया। उसके बाद बच्चे को दफना देने की सलाह दी। सभी की सलाह पर स्वजनों ने बच्चों को मनीगढ़ी घाट में शव को दफना दिया।

बाद में मृतक के साथियों ने स्वजनों को पूरी कहानी सुनायी। इसके बाद मृतक के पिता ने थाने में आवेदन देकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार है।

भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल का होगा विस्तार : मंत्री सुदिव्य सोनू

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के कोकर में स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल का विस्तार और सौंदर्यीकरण किया जायेगा। यह बात राज्य के पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने कही है। जानकारी के अनुसारी, मंत्री सुदिव्य ने कहा कि कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल का विस्तार किया जायेगा। इसके सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जायेगा, जिसके लिए समाधि स्थल के आसपास की उपयुक्त भूमि का अधिग्रहण किया जायेगा। मंत्री सुदिव्य ने इस बाबत अधिकारियों को इस पर विचार कर प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। ताकि भविष्य में इस ऐतिहासिक स्थल का सम्पूर्ण विस्तार किया जा सके।

बता दें कि मंत्री सुदिव्य शनिवार को कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक स्थल झारखंड के लोगों की आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक है। इसके बाद मंत्री सुदिव्य ने अधिकारियों के साथ समाधि स्थल के रख-रखाव, साफ-सफाई और संभावित विस्तार की संभावनाओं की समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों को पूरे परिसर में लाइट की व्यवस्था को सुदृढ़ करने, सुंदर पार्क और आगंतुकों के बैठने की समुचित सुविधा विकसित करने का निर्देश दिया।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के गौरवशाली इतिहास एवं योगदान से लोगों को अवगत कराने के लिए जानकारी प्रदर्शित करने की दिशा में केवल एक समाधि नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत है। मंत्री सुदिव्य ने कहा कि जल्द ही इस जगह को प्रेरणादायक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में काम शुरू होगा।

सुभाषितम्

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं। - सत्यसाई बाबा

युद्ध विराम का श्रेय मोदी या ट्रंप के नाम

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई थी। उसी बीच युद्ध विराम की खबर आ गई। युद्ध विराम की यह खबर अमेरिका से चलकर भारत पहुंची। भारत ने पुष्टि की। उसके बाद से युद्ध विराम को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का श्रेय लिया है। सबसे पहले उन्होंने ही युद्ध विराम का संकेत दिया, डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता का भी दावा किया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल युद्ध विराम के लिये सहमत हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा 48 घंटे तक अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विदेश मंत्री जयशंकर तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सेना प्रमुख मुनीर से उपराष्ट्रपति बेंस लगातार बात कर रहे थे। दोनों देश युद्ध विराम और बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीज फायर के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया। पाकिस्तान ने चीन, सऊदी अरब, तुर्की और कतर को भी धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में युद्ध को लेकर जो छवि बनाई गई थी। इस बार पाकिस्तान के साथ निर्णायक लड़ाई होनी थी। पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल किए जाने के दावे किए जा रहे थे। पाकिस्तान की 4 दिनों में जिस तरह की हालत थी। उसके बाद यह लग रहा था कि भारत जल्द ही पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे में लेगा। वहीं बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करेगा। पाकिस्तान को भारत ऐसा सबक सिखाएगा, जिसको वह कई पीढ़ियों तक नहीं भूल पाएगा। भारत का मीडिया भी इसी तरह की खबरों को लगातार चला रहा था। भाजपा का आईटी सैल भी यही दावा कर रहा था। जैसे ही अमेरिका की मध्यस्थता में भारत ने सीज फायर के लिए सहमति दी। उसके बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि बनाई गई थी। उसमें समर्थकों को बड़ा धक्का लगा। इतने वर्षों तक जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान को लेकर कभी भी भारत ने किसी अन्य देश की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीज फायर और मध्यस्ता की बात स्वीकार करने से अभी तक उनकी जो छवि बनी हुई थी। उसमें जबरदस्त नुकसान देखने को मिल रहा है। जैसे ही सीज फायर की घोषणा हुई, उसके बाद नेशनल मीडिया के सभी चैनल और उनके एंकर एकदम से हतप्रभ रह गए। उन्हें सूझ नहीं रहा था, कि अब वह किस तरीके से अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। पहलगाम की घटना के बाद बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। एक ही झटके में वह हवा हवाई हो गए। कुछ इसी तरह की स्थिति भाजपा आईटी सेल की हो गई। भारत सरकार ने सीज फायर और मध्यस्थता की बात स्वीकार करके सबको हैरान और परेशान कर दिया। सीज फायर के कुछ ही घंटे के बाद पाकिस्तान की ओर से रात में हमले शुरू हो गए। उसको लेकर देश भर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़े-बड़े समाचार पत्रों को भी समझ में नहीं आ रहा था, कि वह सीज फायर की खबर को प्रमुखता से ले, या सीज फायर के बाद पाकिस्तान के हमले को प्रमुखता से लें। मीडिया में कई घंटे तक अनिश्चय की स्थिति बनी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि भाजपा आईटी सेल और नेशनल मीडिया ने बनाई थी। युद्ध विराम के बाद उस छवि पर विपरीत असर पड़ा है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इमेज को बनाए रखने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व गुरु की जो छवि है, उसमें आघात लगा है। अमेरिका और चीन के दबाव में जिस तरह से भारत ने सीज फायर के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उसके बाद सोशल मीडिया में 1971 का युद्ध, अमेरिका की धमकी, भारत की सेना का शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के वीडियो वायरल होने लगे। आम लोगों में यह चर्चा होने लगी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अमेरिका के दबाव में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में भारत सरकार ने यह फैसला लिया हैं। अमेरिका ने जब भारत के ऊपर टैरिफ लगाएं, भारत के नागरिकों को हथकड़ी लगाकर भारत वापस भेजा, उसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस स्थिति में युद्ध विराम हुआ है। उसके बाद आम जनों के बीच निराशा देखने को मिल रही है। वहीं यह भी संतोष है कि पहलगाम की घटना का बदला भारत ने ले लिया है।

चिंतन-मनन

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है।

दया,करुणा और मानवता के महानायक भगवान बुद्ध

-डॉ श्रीगोपाल नारसन

563 ईसापूर्व वैशाख मास की पूर्णिमा को लुम्बनी वन में शाल के दो वृक्षों के बीच एक राजकुमार के रूप में भगवान बुद्ध ने उस समय जन्म लिया, जब उनकी मां कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने पीहर देवदह जा रही थी और रास्ते में ही उन्हें प्रसव पीड़ा शुरू हो गई थी। इस राजकुमार का नाम रखा गया सिद्धार्थ, जो आगे चल कर महात्मा बुद्ध के नाम से विख्यात हुए। महात्मा बुद्ध का जीवन दर्शन और उनके विचार आज ढाई हजार से अधिक वर्षों के बेहद लंबे अंतराल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उनके प्रेरणादायक जीवन दर्शन का जनजीवन पर अमिट प्रभाव रहा है। हिन्दू धर्म में जो अमूल्य स्थान चार वेदों का है, वही स्थान बौद्ध धर्म में ह्यपिटकोंह्न का है। महात्मा बुद्ध स्वयं अपने हाथ से कुछ नहीं लिखते थे बल्कि उनके शिष्यों ने ही उनके उपदेशों को कंठस्थ कर बाद में उन्हें लिखा और लिखकर उन उपदेशों को वे पेटियों में रखते जाते थे, इसीलिए इनका नाम ह्यपिटकह्न पड़ा, जो तीन प्रकार के हैंः- विनय पिटक, सुत्त पिटक तथा अभिधम्म पिटक।बुद्ध का कथन है ,कल्याण की भावना तथा प्राणीमात्र के प्रति दयाभाव का साक्षात्कार होता है। बुद्ध के हृदय में बाल्यकाल से ही चराचर जगत में विद्यमान प्रत्येक प्राणी में प्रति करूणा कूट-कूटकर भरी थी। मनुष्य हो या कोई जीव-जंतु, किसी का भी दुख उनसे देखा नहीं जाता था। एक बार की बात है, जंगल में भ्रमण करते समय उन्हें किसी शिकारी के तीर से घायल एक हंस मिला। उन्होंने उसके शरीर से तीर निकालकर उसे थोड़ा पानी पिलाया। तभी उनका चचेरा भाई देवदत्त वहां आ पहुंचा और कहा कि यह मेरा शिकार है, इसे मुझे सौंप दो। इस पर राजकुमार सिद्धार्थ ने कहा कि इसे मैंने बचाया है जबकि तुम तो इसकी हत्या कर रहे थे, इसलिए तुम्हीं बताओ कि इस पर मारने वाले का अधिकार होना चाहिए या बचाने वाले का। निश्चित ही बचाने वाले का अधिकार है।यही न्याय उनके पिताजी ने उनके साथ किया।बुद्ध की सोच थी कि ह्यह्यजो व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति से ईर्ष्या करता है, उससे वैर भाव रखता है, किसी पर बेवजह क्रोध करता है, निरीह प्राणियों पर अत्याचार या उनकी हत्या करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जब कोई किसी पर चिल्लाता है या उसे अपशब्द कहता है अथवा उसे नीच कहता है तो ऐसा करने वाला व्यक्ति ही वास्तव में नीचता पर उतारू होता है क्योंकि असभ्य व्यवहार ही नीचता का प्रतीक है। जो व्यक्ति किसी का कुछ लेकर उसे वापस नहीं लौटाता, ऋण लेकर लौटाते समय झगड़ा या बेईमानी करता है, राह चलते लोगों के साथ मारपीट कर लूटपाट करता है, जो माता-पिता या बड़ों का आदर-सम्मान नहीं करता और समर्थ होते हुए भी माता-पिता की सेवा नहीं करता बल्कि उनका अपमान करता है, वही व्यक्ति नीच होता है। जाति या धर्म निम्न या उच्च नहीं होते और न ही जन्म से कोई व्यक्ति उच्च या निम्न होता है बल्कि अपने विचारों, कर्म तथा स्वभाव से ही व्यक्ति निम्न या उच्च बनता है। मध्य बिहार के धार्मिक तीर्थ स्थल गया से लगभग 10 किमी दूर वह पवित्र स्थान है जहां महात्मा बुद्ध को आध्यत्म का बोध हुआ और उन्होंने संसार से विरक्त होकर ईश्वरीय ज्ञान की अलख जगाई ,साथ ही दुनिया मे शांति व सदभाव की स्थापना के लिए उन्होंने साधना की। सिद्धार्थ अर्थात गौतम का संसार की मोह माया को त्यागकर महात्मा बुद्ध में परिवर्तित होना और अपना संपूर्ण जीवन धर्म के असली अर्थ को जानकर बोध की अवस्था को प्राप्त करना एक चमत्कार ही है, जिसका संदेश सारे विश्व में गया है। बौद्ध धर्म को स्थापित करने वाले सिद्धार्थ अर्थात गौतम बुद्ध को बिहार की भूमि पर ही बोध की प्राप्ति हुई थी। जिस स्थान पर गौतम बुद्ध ने सर्वोच्च ज्ञान हासिल किया था, उस जगह को महाबोधि मंदिर, जो कि बोध गया में स्थित है, के नाम से जाना जाता है।इस मंदिर की सुरक्षा अत्यधिक है।श्रद्धालुओं को सीसीटीवी कैमरे की नजर में रखा जाता है।कैमरे व मोबाइल की एंट्री पूरी तरह प्रतिबंधित है।चाहे श्रद्धालु स्त्री हो या पुरूष दोनों को ही दो दो बार तलाशी के दौर से गुजरना पड़ता है।तब जाकर महात्मा बुद्ध के विग्रह को निहारने व वहां बैठकर साधना सुख का अवसर मिल पाता है। बौद्ध धर्म के पवित्र स्थल के रूप में प्रसिद्ध महाबोधि मंदिर के दर्शन के लिए बौद्ध धर्म के अनुयायी देश-विदेश से बोध गया आते हैं। महात्मा बुद्ध को विष्णु का अवतार भी माना जाता है इसलिए इस मंदिर को लेकर हिन्दू धर्म के लोगों की भी गहरी आस्था है। महात्मा बुद्ध का जीवन जितना अद्भुत था। इस मंदिर का इतिहास भी उतना ही रोचक है, जो मौर्य शासक सम्राट अशोक से जुड़ा है। गौतम बुद्ध को बोध की प्राप्ति कब हुई, इससे ठीक अनुमान से जुड़ा कोई भी दस्तावेज मौजूद नहीं है। यहां तक कि बुद्ध का जन्म किस सदी और किस तारीख को हुआ, इससे जुड़ा कोई पुख्ता प्रमाण मौजूद नहीं है। महात्मा बुद्ध का संबंध 5वीं और 6वीं शताब्दी ईसापूर्व से है। माना जाता है तीसरी शताब्दी ईसापूर्व में सम्राट अशोक, जो बौद्ध धर्म ग्रहण करने वाले पहले शासक थे, ने इस महाबोधि मंदिर में अपने विशिष्ट पहचान वाले खंबे भी लगवाए जिनके शीर्ष पर हाथी बना होता था। पहली शताब्दी ईसवी में इस मंदिर की परिधि में नक्काशीदार पत्थरों से बनी एक बाड़ लगा दी गई, जिसके कुछ अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस मंदिर के भीतर एक बड़ी प्रतिमा के रूप में बुद्ध, पद्मासन में विराजमान हैं। कहा जाता है यह वही स्थान है जहां बुद्ध को निर्वाण की प्राप्ति हुई थी। मंदिर के भीतर स्थित बुद्ध की प्रतिमा के आगे भूरे बलुए पत्थर पर बुद्ध के विशाल पदचिन्ह भी मौजूद हैं, जिन्हें धर्मचक्र प्रर्वतन का प्रतीक भी कहा जाता है। इस मूर्ति के चारों ओर विभिन्न रंगों के झंडे लगे हुए हैं जो इस मूर्ति को बेहद आकर्षक और विशिष्ट बनाते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि जब सम्राट अशोक ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था तब यहां हीरे-जवाहरात से बना एक सिंहासन भी बनवाया था, जिसे पृथ्वी का नाभि केन्द्र माना जाता था। महाबोधि मंदिर के परिसर में उन सात स्थानों को प्रमुखता के साथ चिन्हित किया गया है जहां महात्मा बुद्ध ने ज्ञान की प्राप्ति होने के पश्चात आगामी सात सप्ताह व्यतीत किए थे। ज्ञान प्राप्ति के पश्चात महात्मा बुद्ध ने दूसरा सप्ताह जिस वृक्ष के नीचे बिताया था उस बोधि वृक्ष की पांचवीं पीढ़ी का पेड़ आज भी वहां मौजूद है। यहां बुद्ध की एक प्रतिमा भी बनी हुई है, जिसे अनिमेश लोचन कहा जाता है।

भारत का ताबड़तोड़ जवाबी एक्शन- छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं

-किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में खलबली- पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम सहित कई पोर्ट तबाह भारत की फाइनल पारी- पाकिस्तान पर सबसे भारी- भारत की मुँहतोड़ जवाब की रणनीतिक तैयारी-आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जारी- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया- वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत पाकिस्तान के अति तीव्र टेंशन पर लगी हुई है, भारत ने पहलगाम घटना की जवाबी कार्यवाही ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक ने अनेकों स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिसके जवाब में भारतीय आर्मी ने अनेकों ड्रोन, मिसाइल नाकाम कर दी है, अब हमारा डिफेंस सिस्टम सभी एजेंसयाँ अलर्ट मोड में है, अनेकों राज्यों के अनेकों शहरों में ब्लैकआउट घोषित कर दिया गया है।लगातार सायरन बज रहे हैं, हमारे पूरे मीडिया के साथी दिन रात पैनी नजर रखे हुए हैं, मैं भी लगातार करीब 20 घंटे पूरी घटनाओं पर नजर रखे हुए हूं। आज सुबह 6 तक संचार माध्यमों में आई पूरी जानकारी के आधार पर यह विशेष रिपोर्ट तैयार किया हूं।संयुक्त राष्ट्र सहित पूरी दुनियाँ के देश इस टेंशन पर नजर बनाए हुए हैं, पाकिस्तान पर भारत की प्रचंड जवाबी प्रहार जारी है, एलओसी पर मुँहतोड़ जवाबी कार्रवाई की जा रही है, पंजाब राजस्थान जम्मू कश्मीर गुजरात के अनेक शहरों में ब्लैक आउट कर दिया गया है। पाक ने अमेरिका से गुहार के बाद अमेरिका ने कहा भारत और पाकिस्तान आपस में निपटो, यानें अमेरिका ने हाथ झटक दिये हैं, मदद से इनकार कर दिया है। पाक द्वारा बॉर्डर पर समझौते के उल्लंघन लगातार कर रहाहै व बिना कारण जोरदार फायरिंग कर रहा है तथा भारत की जवाबी कार्रवाई से खलबली मची हुई है।चूँकि भारत द्वारा डिफेंस सिस्टम सहित लाहौर पेशावर के बाद अब कराची पोर्ट को भी तबाह कर दिया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोगसे इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान में खलबली, पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम सहित कई पोर्ट तबाह कर दिए गए हैं। व भारत-पाकिस्तान टेंशन,भारत का ताबड़तोड़ जवाबी एक्शन, छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। साथियों बात अगर हम भारत के अनेकों राज्यों में ब्लैकआउट को समझने की करें तो,भारतसरकार के ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान की हालत खिसियानी बिल्ली जैसी हो गई है। भारतीय सेनाओं की मुस्तैदी को देखते हुए पाकिस्तान और कुछ न कर पाए लेकिन साइबर ड्रोन और मिसाइल अटैक बहुत बढ़ा सकता है।पंजाब के बॉर्डर इलाकों में पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन अटैक किया गया है, पाकिस्तान की तरफ से पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन को भी निशाना बनाया गया।पाकिस्तान ने जम्मू से लेकर जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया है, भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया है, जम्मू में पाक ने ड्रोन से एयरपोर्ट को निशाना बनाने की कोशिश की,पाकिस्तान की ओर से जम्मू से लेकर राजस्थान के जैसलमेर तक ड्रोन और मिसाइल से हमला किए गए। पाकिस्तान की ओर से किए गए इस ड्रोन अटैक के कारण जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, पंजाब के कई शहरों में ब्लैक आउट कर दिया गया है,कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट किए जाने की खबर सामने आई है, हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से सामने आई जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के ड्रोन अटैक को नाकाम कर दिया गया है। जम्मू ,सांबा, पठानकोट और आरएस पूरा में पाक ड्रोन और मिसाइल से हमला किया गया है,इंटरनेशनल बॉर्डर पर भीषण गोलाबारी की जा रही है, पाक मिसाइल और ड्रोन को मार गिराने में र 400 का इस्तेमाल का किया गया है। साथियों बात अगर हम भारत पाक के बीच जंग के हालात आज 9 मई 2025 के सुबह 6 तक जानने की करें तो, भारत- पाकिस्तान के बीच जंग के हालात, जानिए ताजा अपडेट (1) जम्मू में सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट (2) ड्रोन से हमले की कोशिश को किया नाकाम (3) एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले को नाकाम किया (4) इंटरनेशनल बॉर्डर पर पाक की ओर से भारी गोलीबारी (5) कुपवाड़ा में भी सायरन बजने के बाद ब्लैक आउट (6) नागरिकों से घर से अंदर रहने को कहा गया है। (7) पाकिस्तान के ड्रोन अटैक का वीडियो भी सामने आया है। (8) जम्मू हवाई अड्डे को निशाना बनाने को कोशिश की गई थी। (9) भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराया (10) अखनूर और किश्तवाड़ में भी ब्लैकआउट। (11) जम्मू के अलावा पंजाब के फिरोजपुर और अमृतसर से भी ब्लैक आउट की खबरें सामने आई है।(12) जम्मू में फोन नेटवर्क में दिक्कत आ रही है. कॉल कनेक्ट नही हो पा रहा है। (13) राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में रेड अलर्ट घोषित किया गया। (14) चंडीगढ़, शिमला, अमृतसर, बठिंडा, भुज से विमानों के उड़ान रद्द कर दिए गए है। (15) राजस्थान के जैसलमेर, श्रीगंगानगर जिले में भी ड्रोन से हमला किया गया है। (16) जम्मू यूनिवर्सिटी के पास दो ड्रोन गिराए गए। (17) यह जानकारी सामने आई कि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। (18) रुक-रुक कर पाकिस्तान की ओर से अभी भी ड्रोन भारतीय सीमा में आ रहे हैं. जिसे भारतीय डिफेंस सिस्टम नाकामसाबित कर रही है। (19) मोहाली में दो घंटे के ब्लैकआउट की घोषणा कर दी गई है। (20) गुजरात के सर क्रीक में पाक ड्रोन को मार गिराया गया है (21) राजस्थान- दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। (22) धर्मशाला में आईपीएल का मैच रोक दिया गया है। (23) तीनों सेना प्रमुखों के साथ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बैठक कर रहे हैं। (24) अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से जयशंकर ने बातचीत की है। (25) जालंधर पर हमले की कोशिश नाकाम कर दी गई है। (26) इंटरनेशनल बॉर्डर के बास भीषण गोलीबारी हो रही है, कई चौकियों को खाली कराया गया है। (27) राजस्थान के श्रीगंगानगर में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। (28पीएम मोदी और एनएसए अजीत डोभाल के बीच मीटिंग हुई। साथियों बात अगर हम भारत पाक तनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण अपडेट की करें तो, नौसेना ने समुद्री हमले में कराची पोर्ट पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी हैं, इन हमलों में कराची पोर्ट बताया जा रहा है की पूरी तरह से तबाह कर दिया गया है।

संकट का व्यापारः महंगाई मुनाफाखोरी और सरकारी चेतावनी

- डॉ सत्यवान सौरभ

राशन कालाबाजारी पर सरकारी सख्तीः जमीनी हकीकत और खोखले वादे इंटॉ- राशन की कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के दावे एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या ये आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित रहेंगे या जमीनी स्तर पर भी असर दिखाएंगे? इतिहास गवाह है कि संकट के समय महंगाई, जमाखोरी और भ्रष्टाचार बढ़ जाते हैं, और प्रशासनिक उदासीनता से हालात और बिगड़ते हैं। असली सुधार के लिए पारदर्शी वितरण, तकनीकी निगरानी और सख्त दंड जरूरी हैं, वरना यह भी महज एक खोखला नारा बनकर रह जाएगा। जब भी किसी देश में संकट का साया मंडराता है, सबसे पहले आम जनता पर इसका असर पड़ता है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि संकट के दौर में महंगाई, कालाबाजारी और जमाखोरी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर देशभर में खाद्य पदार्थ, पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कालाबाजारी की खबरें सुर्खियों में हैं। इन मुश्किल हालातों के बीच सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का ऐलान किया है। सवाल यह है कि क्या इन घोषणाओं से वास्तव में कोई फर्क पड़ेगा या फिर यह भी अन्य सरकारी वादों की तरह सिर्फ कागजी सख्ती बनकर रह जाएगी? इतिहास गवाह है कि जब-जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा है, तब-तब न केवल सीमावर्ती इलाकों में, बल्कि पूरे देश में खाद्य पदार्थों और ईंधन की किल्लत का माहौल पैदा हुआ है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक भी है। राजनीतिक लाभ के लिए कई बार जमाखोरी और कालाबाजारी को न केवल नजरअंदाज किया जाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहित भी किया जाता है। सरकारें अक्सर महंगाई और किल्लत को राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर सही ठहराती रही हैं। यह एक प्रचलित नीति है कि संकट के समय लोगों का ध्यान भटकाने के लिए देशभक्ति की भावना को उभारा जाता है, लेकिन इसका खामियाजा आम नागरिक को भुगतना पड़ता है। सरकार द्वारा जारी सख्त निदेशों के बावजूद, जमीनी स्तर पर इनका क्रियान्वयन हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। आमतौर पर, प्रशासनिक अधिकारी इन्हें गंभीरता से नहीं लेते या फिर स्थानीय व्यापारियों और नेताओं के दबाव में आंखें मूंद लेते हैं। यह एक खुला राज है कि कालाबाजारी करने वाले अक्सर राजनीतिक संरक्षण में फलते-फूलते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या सिर्फ आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान हो जाएगा? क्या प्रशासनिक मशीनरी अपने काम में पारदर्शिता और ईमानदारी से कार्य करेगी या फिर यह भी केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा? जब जमाखोरी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आम जनता पर पड़ता है। महंगाई आसमान छूने लगती है, जरूरी वस्तुएं बाजार से गायब हो जाती हैं, और लोगों को मजबूरी में अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। सरकारें राहत पैकेज और सस्ते राशन की योजनाएं तो बनाती हैं, लेकिन उनका लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचना अक्सर एक चुनौती बन जाता है।

आज का राशिफल

मेष किसी लीडरशिप रोल में हैं, तो आपके फैसले की सराहना होगी। सक्रियता से माहौल सकारात्मक रहेगा।

तुला आप किसी पार्टनरशिप में बिजनस कर रहे हैं तो आपसी तालमेल से बड़ा लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

वृषभ आज कार्यस्थल पर दबाव महसूस होगा और आपका काम काम में मन नहीं लगेगा।

वृश्चिक आज दिन अनुकूल है। आपकी मेहनत और समर्पण से ऑफिस में आपको लाभ होगा।

मिथुन लेकिन आपकी योजना और समय प्रबंधन से सब कुछ कंट्रोल में रहेगा।

धनु आज भाग्य आपके साथ है, विशेषकर करियर के मामले में आपको लाभ होगा।

कर्क आज दिन लाभ और तरक?की से भरा होगा। ऑफिस में आपके योगदान को सराहना मिलेगी।

मकर कार्यक्षेत्र में आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं जो आपके प्रमोशन का रास्ता खोलेंगी।

सिंह आज दिन मिलाजुला रहेगा। आपके आत्मविश्वास और संचार कौशल की परीक्षा हो सकती है।

कुंभ लोगों के लिए उत्तम रहेगा। आइडियाज और इनोवेशन से कंपनी में आपकी स्थिति मजबूत होगी।

कन्या जो लोग इंटरव्यू दे रहे हैं या नई नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए दिन शुभ है।

मीन आज दिन लाभ से भरा होगा। ऑफिस में किसी पुराने प्रयास का फल मिल सकता है।

विशेष

डोनाल्ड ट्रंप ही दुनिया में सबसे सच्चे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसे नेता हैं। जो अपने आप को सबसे सच्चा व्यक्ति कहते हैं। वह ईश्वर के रूप में स्थापित होने जा रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध में उन्होंने अपनी बात कही। उसने उसको ठोक दिया,बदले में उसने भी ठोक दिया। एक दूसरे का हिसाब किताब बराबर हो गया। मैं दोनों देशों को जानता हूं। अमेरिका के दोनों देशों से संबंध है। ट्रंप ने चाहा और युद्ध विराम भी हो गया। सही मायने में ट्रंप से सच्चा और कोई नहीं है। यही कहा जा सकता है। आशा की जाने चाहिए जल्द ही रूस और यूक्रेन तथा इजराइल और गाजा का युद्ध बंद हो जाएगा। सच्चे व्यक्ति की बात सभी मानते हैं।

झूठ का महायुद्ध, भारतीय मीडिया ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

टीवी चैनलों और सोशल मीडिया में झूठ का महायुद्ध पिछले कई दिनों से चल रहा था। भारत के मीडिया ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया है। पिछले कई दशकों से पाकिस्तान का मीडिया झूठ का युद्ध लड़ता आया है। पाकिस्तानी मीडिया की वैसी ही पहचान बनी हुई थी। अब भारत का नेशनल मीडिया भी पाकिस्तान से झूठ का युद्ध लड़ना सीख गया है। झूठ के इस महायुद्ध में भारतीय मीडिया ने पाकिस्तान को करारी पराजय दी है। सारी दुनिया में भारतीय मीडिया के झूठ की चर्चा हो रही है। यही भारत की जीत है। भारतीय मीडिया ने जो किया है उसकी सारी दुनिया मैं चर्चा हो रही है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1535 ब्रिटेन और स्काटलैंड में शांति संधि हुई. 1666 शिवाजी पुरंधर संधि के बाद औरंगजेब के सामने पेश होने के लिए आगरा पहुंचे. 1689 ब्रिटेन और हालैंड आसबर्ग लीक के सदस्य बने. 1915 क्रांतिकारी रासबिहारी बोस भारत से गए. 1943 द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मन कमांडर के आत्मसमर्पण के साथ उत्तर अफ्रीका की लड़ाई समाप्त हुई. 1949 सोवियत संघ ने बर्लिन की नाकेबंदी समाप्त की. 1965 पश्चिम जर्मनी ने इजरायल के साथ राजनायिक संबंध स्थापित करने की घोषणा की. 1969 मतदान की आयु 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई. 1991 नेपाली कांग्रेस को नेपाल के पहले बहुदलीय चुनावों में भारी सफलता मिली. 1997 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन और चेचेन नेता अस्लम मक्सादोव में शांति संधि हुई.

दैनिक पंचांग

12 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.34 बजे से
चंद्र	तुला में	मिथुन	07.32 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	09.45 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.01 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.13 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	16.24 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.39 ब.से
राहु	मीन में	धनु	20.55 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.00 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.46 बजे से
		मीन	02.19 बजे से
		मेष	03.50 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 132 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 22.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 06.17 बजे को समाप्त।
योग वरीयान अहोरात्र।
करण विष्टि 09.16 बजे तदनन्तर बव 22.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 18° 09'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872342
जूलियन दिन 2460807.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 13
विशेष वैशाख पूर्णिमा, बुद्ध पूर्णिमा, पूर्णिमा उपवास, चित्रा पूर्णिमा, कूर्म जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अरण्डी खरीफ की एक प्रमुख तिलहनी फसल है। इसकी खेती देष के शुष्क भागों में की जाती है। अरण्डी के बीज में 45 से 55 प्रतिषत तेल तथा 12-16 प्रतिषत प्रोटीन होता है। इसके तेल में प्रचुर मात्रा में रिसिनोलिक नामक वसा अम्ल पाया जाता हैं जिसके कारण इसका औद्योगिक महत्व अधिक हैं इसके तेल का उपयोग दवाओं मे कार्बन पेपर, प्रिंरटिक इंक मोम, वार्निष, मरहम, कृत्रिम रेजिन नाइलोन रेषे के निर्माण में व सौनदर्य प्रसाधन सामग्री जैसे क्रीम, केष तेल, साबुन आदि में प्रयोग किया जाता हैं। पशु चिकित्सा में इसका उपयोग जानवरों की कब्ज दूर करने तथा अन्य रोगों में किया जाता है।

अरण्डी उत्पादनः प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

पिंकी शर्मा, डॉ. पोखर रावल, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर

उन्नत किस्में

अरण्डी की मुख्य उन्नत किस्में अरूणा, वरूणा, जीसीएच-4, जीसीएच-5, जीसीएच-7 एवं आरसीएचसी-1 हैं।

बीजदर एवं बीजोपचार

एक हैक्टर में बुआई करने के लिए लगभग 18-20 किलोग्राम बीज की आवष्यकता होती है। बीज को बोने से पहले उपचारित अवश्य कर लेना चाहिए। बुवाई से पूर्व बीजों को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम एवं 4 ग्राम ट्राईकोडरमा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर बोना चाहियें।

प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

उकठा या म्लानि (विल्ट)

यह रोग ''फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम'' नामक फफूंद से होता है। इस रोग का प्रकोप पौधे की छोटी अवस्था से लेकर पकने तक कभी भी देखा जा सकता है। इस रोग के कारण पौधे छोटी अवस्था में मुरझाने लगते है। रोग ग्रसित पौधे की पत्तियाँ नीचे से उपर की ओर पीली पड़ने लगती है तथा जिससे रोगी पौधों की वृद्धि रूक जाती है, बाद में सम्पूर्ण पौधा सूखकर मर जाता है।

रोकथामः-

1ग्रमियों में गहरी जुताई करें तथा फसल चक्र अपनावें।

2इस रोग की रोकथाम के लिये थाइरम 3 ग्राम या सेरेसान 2 ग्राम या 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोंग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार कर बुआई करें।

अंगमारी (ब्लाइट)

यह रोग ''अल्टरनेरिया'' नामक फफूंद से उत्पन्न होता है। यह रोग उन क्षेत्रों में अधिक होती हैं जहाँ नमी की मात्रा अधिक होती है। इस रोग के लक्षण पौधों की निचली पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे रंग के चक्रदार बिन्दुओं के रूप में प्रकट होते हैं जो कि तेजी से बढ़कर एक सेन्टीमीटर तक वृत्ताकार बड़ें धब्बों का रूप ले लेते है तथा कई धब्बे आपस में मिलकर पत्ती के लगभग 30 प्रतिषत भाग को नष्ट कर देते है। अन्त में पत्तियाँ सिकुड जाती है व सूखकर गिर जाती है।

रोकथामः-

1यह एक बीज जनित रोग है अतः इसके नियंत्रण हेतु स्वस्थ व रोग रहित बीजों का उपयोग करें तथा फसल चक्र अपनावें। इसके लिए 25 ग्राम थाइराम या केप्टान या एग्रोसेन जी एन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करे।

2रोगरोधी किस्मों की बुआई करे

3रोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिषत (2 ग्राम) डायथेन जेड-78 का प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर दोहरावें।

पर्ण धब्बा रोग

इस बीमारी में पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे उभरते हैं फिर ये बाद में भूरे रंग के बड़े धब्बों में बदल जाते हैं।

रोकथाम

मेंन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेडाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से 10-15 दिन के अंन्तराल पर 2 छिड़काव करने से बीमारी को कम किया जा सकता है।

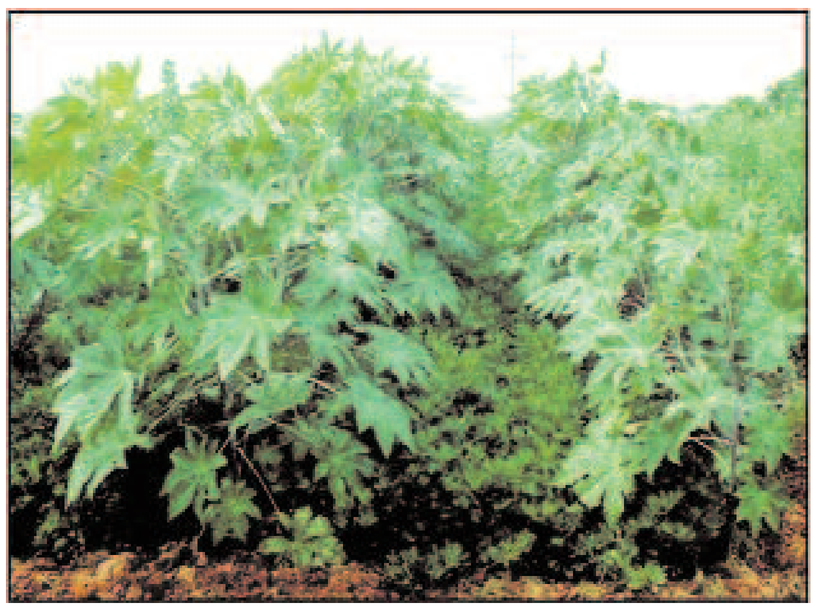

कीट एवं रोकथाम

सेमीलूपरः- यह फसल का बहुत ही विनाशकारी कीट है। इसकी तेजी से रेंगने वाली लट जो 33-5 सेमी.लम्बी होती है फसल को खाकर कमजोर कर देती है। वर्षा काल (अगस्त से सितम्बर) में इस कीट का अत्यधिक प्रकोप होता है। लट सामान्य रूप से काले भूरे रंग के होती हैं। जिन पर हरी भूरी या भूरी नारँगी धारियाँ भी होती हैं। यह गिडारों की तरह सीधा न चल कर रेंगती हुई चलती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए क्विनालफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव की जा सकती है।

तना छेदक कीटः- तना छेदक कीट की इल्ली गहरे तथा भूरे रंग की होती है यह प्रमुख रूप से अरण्डी के तनों तथा संपुट को खाकर खोखला कर देती है इसकी गिडार 2-3 सेमी.तक लम्बी तथा भूरे रंग की होती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए सर्वप्रथम रोगग्रस्त तनों एवं संपुटों को इकट्ठा करके जला देना चाहिए तथा क्विनालफास 25 ईसी.की 1 लीटर दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

रोंये वाली इल्लीः- खरीफ वाली फसलों में रोयें वाली इल्ली इस फसल को अधिक हानि पहुँचाती है। इस कीट की साल में तीन पीढ़िया होती हैं। इसके गिडार पत्तियों को खाते हैं जो बाद में गिर जाती हैं। खेत में

रोकथामः- ज्योंही इस कीट के अण्डे दिखाई दें उन्हें पत्तियें सहित चुनकर जमीन में गाड़ देना चाहिए। शेष कीड़ों की रोकथाम के लिए खेत में इमिडाक्लोरपिड 1 मिली.के 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देना चाहिए।

पपीता के प्रमुख रोग एवं उनका निदान

विवेक कुमार, नरेन्द्र कुमार एवं कमल किशोर सैनी विद्यावाचस्पति शोध अध्येता, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर राजस्थान

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल हैए बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थ्यवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई प्रकार के रोग लगते हैं जो की पपीता की उत्पादकता को कम कर देता है ! पपीता की खेती में लगने वाले प्रमुख रोग एवं उनका निदान निम्न प्रकार है !

कवक जनित रोग

आर्द्र गलन डैम्पिंग ऑफ

यह पौधशाला में लगने वाला गम्भीर रोग है जिससे काफी हानि होती है। इसका कारक कवक पीथियम एफैनिडरमेटम है जिसका प्रभाव नये अंकुरित पौधों पर होता है। इस रोग में पौधे का तना प्रारम्भिक अवस्था में ही गल जाता है और पौधा मुरझाकर गिर जाता है।

नियंत्रण के उपाय

➲ पौधशाला में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए एवं इसके लिए पौधशाला की उँचाई आस-पास की सतह से उपर होनी चाहिए जिससे जल जमाव न हो।

➲ नर्सरी की मिट्टी का उपचार फार्मेल्डिहाइड के 2.5 प्रतिशत घोल से करने के बाद 48 घंटे तक पॉलिथीन सीट से ढ़क देना चाहिए।

➲ बीजोपचार कार्बेन्डाजिम अथवा मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण से 2 ग्रामध्किलो बीज की दर से करें।

➲ पौधशाला में लक्षण दिखते ही मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण का 2 ग्राम-लीटर पानी से छिड़काव करें !

तना तथा जड़ सड़न रोग कालर रॉट

इस रोग में तने के निचले भाग के छाल पर जलीय गीले चकत्ते बनते हैं जो बाद में बढ़कर तनों के चारो तरफ से घेर लेते हैं। तने का उपरी छिलका पतला होकर गलने लगता है। उपरी पत्तियाँ मुरझाकर पीली हो जाती है, और पत्तियाँ गिर जाती है। रोगी पौधे में फल नही बनते हैं और यदि बन जाते हैं तो गिर पड़ते हैं। तने के आधार सड़ जाने के कारण पूरा पौधा टूटकर गिर जाता है। इस कारण जमीन के नीचे जड़े गलने लगती है। पौधे की पत्तियाँ पीली पड़ने लगती है और असमय ही नीचे गिरना आरम्भ कर देती है। बाद में सारी पत्तियाँ गिर जाती है और पौधा गलकर जमीन पर गिर जाता हैं।

नियंत्रण

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिएए और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

➲ जून, जुलाई और अगस्त के महीने में पौधों पर आधार से 50 से.मी. की ऊँचाई तक बोर्डो मिश्रण लगाने से रोग से बचा जा सकता है।

➲ यदि तने में धब्बे दिखाई देते हों तो मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब का घोल बनाकर 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से पौधे के तने के पास मिट्टी में छिड़काव करना चाहिए।

फल सड़न रोग

यह पपीते के फल का प्रमुख रोग है। इसके कई कवक कारक हैं जिसमें कोलेटोट्राईकम ग्लियोस्पोराइड्स प्रमुख है। अध पके एवं पके फल रोगी होते है। इस रोग में फलों के उपर छोटे गोल गीले धब्बे बनते हैं। बाद में ये बढ़कर आपस में मिल जाते हैं तथा इनका रंग भूरा या काला हो जाता हैं। यह रोग फल लगने से लेकर पकने तक लगता है जिसके कारण फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं।

नियंत्रण

➲ कॉपरआक्सीक्लोराईड 2.0 ग्राम/लीटर पानी में या मेन्कोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से रोग में कमी आती है।

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिए, और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

कली एवं फल के तनो का सड़ना

यह पपीता में लगने वाली एक नई बीमारी है जो फ्यूजैरियम सोलनाई नामक कवक के द्वारा लगती है। शुरु में इस रोग के कारण फल तथा कलिका के पास का तना पीला हो जाता है जो बाद में पूरे तने पर फैल जाता है। जिसके कारण फल सिकुड़ जाते हैं तथा बाद में झड़ जाते हैं।

नियत्रण

➲ इसकी रोकथाम के लिए कॉपरआक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी मे का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

चूर्णी फफूंद

यह रोग ओडियम यूडिकम एवं ओडियम कैरिकी नामक कवक से होता है। इससे प्रभावित पत्तियों पर सफेद चूर्ण जैसा जमाव हो जाता है जो बाद में सूख जाती हैं।

नियत्रण

➲ इस रोग की रोकथाम के लिए घुलनशील सल्फर 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

रिंग स्पॉट रोगध्वलय रोग

पपाया वलय चित्ती विषाणु इस रोग का कारक है। इस रोग में पपीते की पत्तियाँ कटी फटी सी हो जाती हैं तथा हर गांठ पर कटे फटे पत्ते निकलते हैं। पत्तियों के तने तथा फलों पर छोटे गोलाकार धब्बे बन जाते हैं और पौधे की वृद्धि रूक जाती है। पत्ती का डंठल छोटा हो जाता है और पुरानी पत्तियाँ गिर पड़ती है। पत्तियाँ छोटी खुरदरी तथा फफोलेदार हो जाती है। फूल काफी कम लगते हैं, एवं फल का आकार स्वस्थ पौधों की तुलना में काफी कम हो जाता हैं। इस रोग से इस राज्य में पपीते की खेती काफी सीमित होती जा रही है। अगर पहले वर्ष के फल में रोग के लक्षण दिखते है, तो फल तोड़ने के बाद पौधों को उखाड़ देना चाहिए। बरसात के मौसम में इस किस्म में विषाणु वाइरस रोग लगता है जिससे फल का आकार प्रकार विकृत हो जाता है। इससे बचने के लिए खेत के ढ़ंग मे परिवर्तन कर देने से यह रोग नहीं लगता है। इसके लिए सितम्बर माह में बीज नर्सरी या गमलों में बोने चाहि, तथा अक्टूबर-नवम्बर तक पौधे खेत में लगा देने चाहिए। इस तरह प्रथम बरसात का समय रोग मुक्त रखने के लिए बच निकलता है। जाड़े तथा गर्मी में पौधे मजबूत एवं सहनशील हो जाते है। अतः अगले वर्ष बरसात होते ही पपीते के पौधे काफी मात्रा मे फल-फूल देना प्रारंभ कर देते है। अगली बरसात में विषाणु रोग का थोड़ा बहुत प्रकोप होने पर भी फल के गुणों पर कोई खास बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

नियंत्रण

- ➢ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।
- ➢ माहू के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- ➢ पपीते के बगीचे के आसपास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।
- ➢ नीम की खली एवं नीम के तेल का प्रयोग करने से भी रोग में कमी आती है।
- ➢ वर्षा ऋतु के समाप्ति के बाद पपीता का बाग लगाने पर यह रोग कम दिखाई देता है।

पर्ण कुंचन रोग

यह पपीते का एक गंभीर विषाणु रोग है। इस रोग के कारण शुरु में पौधों का विकास रुक जाता है और पत्तियाँ गुच्छा नुमा हो जाती है तथा पतियों का आकार छोटा हो जाता है। पत्तियों का उपरी सिरा अन्दर की ओर मुड़ जाता है। प्रभावित पौधों में फूल एवं फल नही लगते हैं।

नियंत्रण

- ➢ सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- ➢ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव कम होने से उछल पड़ी कंज्यूमर कंपनियां, कहा- फिर से बढ़ेगा कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने से कंज्यूमर गुड्स बनाने वाली कंपनियों को राहत मिली है। कंपनियों को उम्मीद है कि लोगों का भरोसा फिर से बढ़ेगा और मांग में भी सुधार होगा। हाल के दिनों में मांग में गिरावट आई थी। यह गिरावट सिर्फ बॉर्डर वाले राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में देखी गई। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप बख्शी ने कहा कि प्रभावित वाले इलाकों में मांग पर बुरा असर पड़ा। बाकी जगहों पर भी मांग बहुत ज्यादा नहीं थी। अब जब युद्ध खत्म हो गया है तो उम्मीद है कि लोग फिर से बाहर निकलेंगे और खरीदारी करेंगे।

हाई अलर्ट से मांग में कमी: पिछले 4-5 दिनों में युद्ध जैसे हालात बने रहे। इससे पंजाब, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और गुजरात के कई शहरों में सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर, अमृतसर, श्रीनगर, जम्मू, भुज, जोधपुर और राजकोट जैसे शहरों में ब्लैकआउट हो गया था। इन शहरों में बॉर्डर से मिसाइल और ड्रोन से हमले का खतरा था। इसलिए हाई अलर्ट जारी किया गया था। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि बॉर्डर पर तनाव बढ़ने से मांग में सुधार की उम्मीदें खतरे में पड़ गई थीं। पिछले दस तिमाहियों से महंगाई और कम वेतन की वजह से लोग कम सामान खरीद रहे थे। अब डिमांड में थोड़ा सुधार दिख रहा था, लेकिन तनाव बढ़ने से यह सुधार रुक सकता था।

कंपनियों की उम्मीद को लगा धक्का: इस साल भी वेतन में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन महंगाई कुछ कम हुई है। इनकम टैक्स में छूट और अच्छी बारिश की उम्मीद से कंपनियों को लग रहा था कि वित्तीय वर्ष के दूसरे भाग में सुधार होगा। लेकिन पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से यह उम्मीद कम हो गई थी।

युद्ध से कारोबार पर असर: डिपार्टमेंटल स्टोर चेन लाइफस्टाइल इंटरनेशनल के सीईओ देवरंजन अय्यर ने कहा कि सीजफायर से उनकी पूरी टीम को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि बॉर्डर वाले राज्यों में कारोबार पर बुरा असर पड़ा था। स्टोर में लोगों की संख्या कम हो गई थी और ब्लैकआउट की वजह से स्टोर को शाम 6:30 बजे ही बंद करना पड़ रहा था। अय्यर ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर में भी बिक्री में गिरावट आई। इसका कारण रहा कि लोग कम संख्या में घर से बाहर निकल रहे थे। यह तब था जब दिल्ली-एनसीआर में ब्लैकआउट नहीं था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब हालात सुधरेंगे और बॉर्डर वाले राज्यों में ग्राहक 2-3 दिनों में डर से बाहर निकलकर वापस लौटेंगे। राजस्थान के एक बड़े ऑटोमोटिव डीलर ने बताया कि बीकानेर, जोधपुर और गंगानगर में पिछले कुछ दिनों में बिल्कुल भी लोग नहीं आए। एक अन्य ऑटोमोटिव रिटेलर ने कहा कि बॉर्डर वाले जिलों में कारोबार पर पिछले 7-10 दिनों से बुरा असर पड़ रहा था।

कपड़ों की बिक्री भी प्रभावित: दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े मार्केट में कंपनियों ने बताया कि कपड़े, गारमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री में पिछले हफ्ते के मुकाबले इस हफ्ते 20 से 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कई शहरों में हाई अलर्ट था और मॉक ड्रिल किए जा रहे थे।

बुढ़ापे में हर महीने मिलेंगे 5000, मोदी सरकार की इस स्कीम से मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की कई ऐसी स्कीम हैं जिसने निवेशकों के भविष्य को सुरक्षित रखा है। इनमें से एक अटल पेंशन योजना (एपीवाई) है। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की एक पहल है। एपीवाई का संचालन पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की ओर से किया जाता है।

स्कीम के बारे में

अटल पेंशन योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी बैंक खाताधारकों के लिए है। यह योजना उन लोगों के लिए आयकरदाता नहीं हैं और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर योगदान अलग-अलग होता है। योजना में शामिल होने के बाद ग्राहक की ओर से किए गए अंशदान के आधार पर, 60 वर्ष की आयु के बाद ग्राहक को पेंशन मिलेगी। इसके तहत निवेशकों को 1000 रुपये या 2000 रुपये या 3000 रुपये या 4000 रुपये या 5000 रुपये की गारंटीकृत न्यूनतम मासिक पेंशन मिलेगी।

ये हैं शर्तें

ग्राहक की असामयिक मृत्यु (60 वर्ष की आयु से पहले मृत्यु) के मामले में जीवनसाथी, शेष निहित अवधि के लिए, मूल ग्राहक के 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, ग्राहक के अटल पेंशन योजना खाते में अंशदान जारी रख सकता है। भुगतान करने के तरीके, ग्राहक मासिक/ तिमाही/ अर्ध-वार्षिक आधार पर अटल पेंशन योजना में अंशदान कर सकते हैं।

योजना से निकासी

ग्राहक कुछ शर्तों के अधीन अटल पेंशन योजना से स्वेच्छा से बाहर निकल सकते हैं, जिसमें सरकारी सह-अंशदान और उस पर रिटर्न/ ब्याज की कटौती शामिल है। योजना के अंतर्गत नामांकित कुल ग्राहकों में से लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं हैं।

फायदा उठाने की फिराक में था चीन... अमेरिका ने नहीं दिया भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हाथ सेंकने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन की स्थिति चीन को इस क्षेत्र में मध्यस्थ या महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में खुद को पेश करने का अवसर दे सकती थी। इससे उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता था। लेकिन, अमेरिका ने चीन को हाथ सेंकने का मौका नहीं दिया। उसने बीच में आकर भारत और पाकिस्तान के बीच के बीच संघर्ष विराम करा दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बारे में ऐलान किया। उन्होंने बताया कि दोनों देश तुरंत सीजफायर के लिए तैयार हो गए हैं।

अगर यह तनाव बढ़ता तो चीन के लिए इस क्षेत्र में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के अवसर खुल जाते। वह पाकिस्तान में अपने निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (जैसे सीपीईसी) को पहले से ही बढ़ा रहा है। इसमें और इजाफा हो सकता था। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई वह बिना सीधे शरीक हुए हाथ सेंकने की फिराक में था। अभी चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। भारत उसका क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसियों के कारण जो कंपनियां चीन को छोड़कर भारत का रुख कर रही हैं, तनाव बढ़ने की स्थिति में उनका भरोसा डगमगा सकता था।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन, 1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना; निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब: दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

एसबीआई पर क्या लगे हैं आरोप: स्टेट बैंक पर यह आरोप था कि उसने एक संस्था (इकाई) को ब्रिज लोन यानी एक तरह का अस्थायी कर्ज दिया, जो केंद्र या राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी या भुगतान के बदले में दिया गया था। इसके साथ ही बैंक पर एक अन्य आरोप यह लगा था कि उसने विनियामक आवश्यकताओं के उल्लंघन करते हुए कुछ चालू खाते खोल रखे थे।

रिजर्व बैंक ने क्या कहा

आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक की तरफ से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना आरबीआई की तरफ से एसबीआई के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लगाया गया है।

अजॉय चावला टाटा की कंपनी में बनेंगे एमडी सीईओ रहते हुए टाइटन को पहुंचाया नए मुकाम पर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। अजॉय चावला अगले साल 1 जनवरी से कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर बनेंगे। वर्तमान एमडी सीके वेंकटरमन 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार, वे अपनी उम्र पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। अजॉय चावला साल 2019 में टाइटन के ज्वेलरी विभाग के प्रमुख बने थे। उनके नेतृत्व में ज्वेलरी के कारोबार में बहुत तरक्की हुई। ज्वेलरी की बिक्री और मुनाफा 2.5 गुना बढ़ गया। साथ ही, टाइटन ज्वेलरी मार्केट में सबसे आगे रहा। मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर घटा, टाटा और हुंडई को पछाड़ महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी

बोर्ड में होंगे शामिल

अजॉय चावला को एमडी बनाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी है। कंपनी जल्द ही उन्हें बोर्ड में शामिल करने और एमडी बनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी। ज्वेलरी विभाग के लिए नए सीईओ की खोज बाद में की जाएगी। वेंकटरमन ने कहा, टाइटन टीम की ओर से मैं अजॉय का स्वागत करता हूं। वे टाइटन को आगे बढ़ाएंगे। अजॉय ग्राहकों को समझते हैं, लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैल्यू बनाने पर ध्यान देते हैं। वे टाइटन को और भी आगे ले जाएंगे। अजॉय चावला ने 1990 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज से अपने करियर की शुरुआत की थी। 1991 में वे टाइटन के फाइनेंस विभाग में शामिल हुए। उन्होंने घड़ियों के विभाग में 20 सालों तक काम किया। इस दौरान उन्होंने बिक्री, मार्केटिंग, सप्लाई चेन और इसके जैसे कामों को संभाला।

नए कारोबार को बढ़ाया आगे

साल 2013 से 2019 तक अजॉय ने चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने नए बिजनेस शुरू करने, परफ्यूम के कारोबार को बढ़ाने और तनेरा बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद की। टाइटन ने 2024-25 में 57,818 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया, जो पिछले साल से 22 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, कंपनी का मुनाफा 2 प्रतिशत घटकर 4,535 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह यह थी कि इस दौरान सोने पर कस्टम ड्यूटी कम हो गई थी। कंपनी के रेवेन्यू में मार्च तिमाही में पिछले साल के मुकाबले 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

केंद्रीय कर्मचारियों को डीए पर लगेगा झटका दूसरी छमाही के लिए मिल रहे संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के केंद्रीय कर्मचारी अगली छमाही यानी जुलाई से दिसंबर तक की अवधि के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का इंतजार करने लगे हैं। यह इंतजार इसलिए भी है क्योंकि पहली छमाही के दौरान कर्मचारियों के भत्ते में मामूली बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में कर्मचारियों का भत्ता 55 फीसदी है। आइए जान लेते हैं कि केंद्रीय कर्मचारियों को अगली छमाही में कितना भत्ता मिल सकता है।

2 प्रतिशत की बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने पिछले महीने करीब 1.2 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 55 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। जनवरी से जून की अवधि के लिए डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी पिछले 78 महीनों में सबसे कम थी।

7वें वेतन आयोग का आखिरी डीए

कैलेंडर वर्ष, 2025 के पहले तीन महीनों में मुद्रास्फीति में और गिरावट से पता चलता है कि केंद्रीय कर्मचारियों को डीए में 2 प्रतिशत से कम बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। 2025 के पहले दो महीनों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों में गिरावट देखी गई, जिससे जुलाई-दिसंबर 2025 के लिए डीए बढ़ोतरी कम हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इससे केंद्र सरकार के करोड़ों कर्मचारी और पेंशनभोगी निराश होंगे। तकनीकी रूप से यह 7वें वेतन आयोग में अंतिम डीए संशोधन होगा। बता दें कि इस साल 31 दिसंबर को 7वां वेतन आयोग अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करेगा।

भारी बिकवाली में रेखा झुनझुनवाला को 2 शेयरों से हुआ 892 करोड़ रुपये का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के चर्चित निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को शुक्रवार को तगड़ा फायदा हुआ है। टाटा ग्रुप की दो कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से उन्हें 892 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऐसा रिटर्न ऐसे समय में मिला है जब भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की वजह से शेयरों बाजार में बिकवाली का दौर है।

कौन से हैं वो 2 टाटा ग्रुप के स्टॉक: इस लिस्ट एक कंपनी का नाम टाइटन है। कंपनी ने मार्च तिमाही के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, दूसरी कंपनी टाटा मोटर्स है। टाटा मोटर्स को भारत और यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा मिला है। बता दें, कारगिल युद्ध के दौरान भी टाटा मोटर्स का प्रदर्शन शानदार रहा था। तब कंपनी के शेयरों में करीब 92 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी।

टाइटन के शेयरों में शुक्रवार दिखी तूफानी तेजी: शुक्रवार को टाइटन के शेयरों में 4.95 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 3530 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। मार्केट कैप 3.11 लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंचने में सफल रहा था। बाजार के बंद होने के समय पर टाइटन के शेयरों का भाव 3363.45 रुपये के लेवल पर था। इस कंपनी झुनझुनवाला के शेयरों की वैल्यू शुक्रवार को 15,402.30 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,165.09 करोड़ रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। महज एक दिन में उनके शेयरों की वैल्यू 762.69 करोड़ रुपये बढ़ी थी। बता दें, टाइटन का नेट प्रॉफिट 870 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 10.70 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, इसी दौरान कंपनी का रेवन्यू 13477 करोड़ रुपये रहा है।

टाटा मोटर्स ने भी पकड़ी रफ्तार: टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 3.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 709 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, स्टॉक का भाव 681.90 रुपये के लेवल पर आकर बंद हुआ था।

केनरा बैंक ने लोन पर लिया बड़ा फैसला, ग्राहकों के लिए जानना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने लोन के मोर्चे पर बड़ा फैसला लिया है। बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए फंड आधारित लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) की सीमांत लागत में 0.10 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे कर्ज सस्ते हो जाएंगे। केनरा बैंक ने कहा कि एक साल की अवधि का एमसीएलआर मौजूदा दर 9.10 प्रतिशत के मुकाबले नौ प्रतिशत रह जाएगा। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग कार और पर्सनल लोन जैसे अधिकांश कंज्यूमर लोन की कीमत तय करने के लिए किया जाता है।

12 मई से लागू: बैंक ने बताया कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 प्रतिशत के दायरे में होगी। एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 प्रतिशत के मुकाबले 8.20 प्रतिशत होगी। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से प्रभावी होगी।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करके इसे छह प्रतिशत कर दिया था। यह कटौती इस साल लगातार दूसरी बार की गई है।

केनरा बैंक के तिमाही नतीजे: पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में केनरा बैंक का नेट प्रॉफिट 28 प्रतिशत बढ़कर 5,070 करोड़ रुपये हो गया। प्रावधान में कमी और गैर-प्रमुख आय में वृद्धि से बैंक का मुनाफा बढ़ा है।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल, गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार, मसौदा नियमों में कही गई यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशोधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को पूर्व-

अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है। नियमों में कहा गया है कि, पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज तेल के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में, भारत सरकार को, ऐसे आपातकाल के दौरान, हर समय, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस से उत्पादित खनिज तेलों, परिष्कृत पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों, या ऐसे कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस, जिसे पट्टेदार को भारत के भीतर परिष्कृत किए बिना बेचने, निर्यात करने या निपटाने की अनुमति है, और इस पर सरकार को पूर्वाधिकार का अधिकार होगा।

आपातकाल का क्या मतलब फिलहाल इसकी परिभाषा मसौदे में नहीं: इस अधिकार का प्रयोग भारत सरकार की ओर से पट्टेदार को पूर्वक्रय के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य, पूर्वक्रय में लिए गए पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों या कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के लिए प्रदान करके किया जाएगा। हालांकि नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया कि राष्ट्रीय आपातकाल क्या होगा। उद्योग सूत्रों ने कहा कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां- जैसे कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध में देश ने सामना किया - या प्राकृतिक आपदाएं राष्ट्रीय आपातकाल का गठन कर सकती हैं।

नियमों में कहा गया है, खनिज तेलों के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति क्या होगी, इसका निर्णय भारत सरकार को ही करना होगा। इस संबंध में उसका निर्णय अंतिम होगा। मसौदा नियमों में तेल और गैस परिचालकों को अप्रत्याशित परिस्थितियों में अधिनियम के तहत अपने दायित्वों से छूट देने का भी प्रावधान है। नियमों में कहा गया है कि अप्रत्याशित घटना में दैवीय आपदा, युद्ध, विद्रोह, दंगा, नागरिक उपद्रव, ज्वार, तूफान, ज्वार की लहर, बाढ़, बिजली, विस्फोट, आग, भूकंप, महामारी और अन्य कोई भी घटना शामिल है, जिसे पट्टेदार उचित रूप से रोक या नियंत्रित नहीं कर सकता।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान! इस तारीख को बीसीसीआई करेगी ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी. दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट में संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच उन्होंने संन्यास का ऐलान करके सभी को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड-बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड-बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

बांग्लादेश क्रिकेट टीम यूएई दौरे के लिए तैयार, पाकिस्तान यात्रा पर अभी सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी पुरुष राष्ट्रीय टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करेगी। हालांकि, पाकिस्तान में प्रस्तावित पांच टी20 मैचों के दौरे को लेकर बोर्ड ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूएई क्रिकेट बोर्ड ने पहले घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम 7ः00 बजे होंगे। इसके बाद बांग्लादेश को 25 मई से 3 जून तक पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे।झबीसीबी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के कारण, जिसके चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) स्थगित हो चुके हैं, पाकिस्तान दौरे का फैसला टाल दिया गया है। शनिवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बीसीबी के निदेशकों की एक बैठक हुई, जिसमें भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों को जारी रखते हुए, बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम अगले सप्ताह यूएई में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान दौरे के बारे में बीसीबी ने कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ इस दौरे को लेकर लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा-

घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया....

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद! सहवाग, जिन्हें मुल्तान के सुल्तान के नाम से जाना जाता है, ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक तीखा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने हिंदी मुहावरे कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है. का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के बार-बार संघर्ष विराम तोड़ने की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया। यह मुहावरा उन लोगों या संस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है जो बदलाव का विरोध करते हैं। सहवाग का यह तंज पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघनों के इतिहास पर सीधा प्रहार माना जा रहा है।

बता दें कि शनिवार शाम दोनों देशों ने औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं–चाहे वह भूमि, वायु या समुद्र से हों– समाप्त करने पर सहमति जताई थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस विराम को तोड़ दिया। वहीं, देर रात खबरें आई कि चीन ने पाकिस्तान की वकालत की है लेकिन इस संबंधी जब भारत के विदेशी मंत्रालय ने चीन में बात की तो उन्होंने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि वह हर वक्त आतंकवाद का विरोध करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

विराट कोहली का संन्यास सही पर टाइमिंग गलतः नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर हलचल मच गई है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का चौंकाने वाला फैसला किया है। इस खबर ने न केवल प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों को भी चिंता में डाल दिया है। बीसीसीआई ने कोहली से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह सीरीज अगले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कोहली के इस फैसले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हालांकि कोहली का युवाओं को मौका देने का इरादा नेक है, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी टाइमिंग गलत है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, ÷विराट कोहली का संन्यास लेने का फैसला क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहा है। उनका इरादा सही है, उनका मकसद नेक है कि 'पुरानी व्यवस्था को बदलकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए।' लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।सिद्धू ने आगे कहा, हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं, जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन चुनौती है। मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे 'चमकते हुए योद्धा' हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के संन्यास के बाद। आप इंग्लैंड में एक अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

इंडिया वूमेन-श्रीलंका वूमेन

स्मृति ने 92 गेंदों पर ठोका शतक, खेली 116 रन की पारी; भारत ने बनाए 342 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वूमेन्स ट्राई नेशनल सीरीज 2025 के फाइनल में कमाल की शतकीय पारी खेली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर बनाया और विरोधी टीम को जीत के लिए 343 रन का टारगेट दिया। भारत की तरफ से हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में अर्धशतक लगाने से चूक गई।

मंधाना ने 92 गेंदों पर ठोका शतक

स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गजब की पारी खेलते हुए 92 गेंदों पर शतक पूरा किया और इस मैच में उन्होंने 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 101 गेंदों पर 116 रन ठोक डाले। ये मंधाना के वनडे क्रिकेट करियर का 11वां शतक रहा। पहले विकेट के लिए मंधाना ने इस मैच में प्रतिका रावल के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की जबकि दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने बनाए 342 रन

भारतीय महिला टीम की बैटिंग फाइनल मैच में जबरदस्त रही और इस टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन बनाए। भारत की तरफ से मंधाना की शतकीय पारी के अलावा हरलीन देओल ने 47 रन जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों पर 41 रन तो वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज गति से 29 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। ये तीनों अपने अर्धशतक के करीब आकर आउट हो गई। इसके अलावा निचले क्रम की बल्लेबाज अमनजीत कौर ने 12 गेंदों पर 18 रन तो वहीं दिप्ती शर्मा ने 14 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेली।

लारा ने कहा-विराट टेस्ट से संन्यास न लें टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है।

लारा, जिन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में उपलब्धियों और उनके प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हर पीढ़ी में एक बार आते हैं। उनकी तकनीक, जुनून और खेल के प्रति समर्पण टेस्ट क्रिकेट को जीवंत बनाए रखते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। विश्व क्रिकेट को अभी उनकी जरूरत है।

लारा ने यह भी कहा कि कोहली की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती है और भारत के डब्ल्यूटीसी अभियान के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड कोहली के साथ गहन चर्चा कर रहा है। वे चाहते हैं कि कोहली कम से कम इस डब्ल्यूटीसी चक्र तक टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखें, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी शामिल है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 8,848 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 49.15 है, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हालांकि, कोहली ने पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट पर अधिक ध्यान दिया है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर कार्यभार को कम करना चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रशंसक और क्रिकेट विशेषज्ञ कोहली को टेस्ट क्रिकेट में और योगदान देते देखना चाहते हैं। लारा की अपील और बीसीसीआई के प्रयासों के बीच, क्रिकेट जगत कोहली के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर का निधन... टेस्ट में जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज क्रिकेटर बॉब काउपर का मेलबर्न में निधन हो गया. काउपर 84 साल के थे और उनका निधन 11 मई (रविवार) को हुआ. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने काउपर के निधन की पुष्टि की है. काउपर लंबे समय से कैंसर बीमारी से जूझ रहे थे. काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल और दो बेटियां (ओलिविया और सेरा) हैं.

काउपर ने जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक...

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है. वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे. बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्ब्ळ) में उनके तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किया जाएगा.

बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉब काउपर को उनके बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और संयमित बल्लेबाजी करने के लिए जाना जाता था. काउपर ने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी. तब उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंदों पर 307 रन बनाए थे. यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक था. साथ ही 20वीं सदी में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में बनाया गया यह इकौलता तिहरा शतक भी रहा. देखा जाए तो ये बॉब काउपर का तीसरा टेस्ट शतक था. उन्होंने एक साल पहले कैरेबियाई धरती पर दो शतक बनाए थे. फिर तिहरे शतक के बाद उन्होंने दो और शतक बनाए. उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से साल 1968 में संन्यास की घोषणा की, तब वो सिर्फ 28 वर्ष के थे. काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.84 के एवरेज से 2061 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 10 अर्धशतक निकले.

घरेलू मैदान पर जमकर बनाते थे रन

घरेलू मैदान पर बेन काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था, जहां उन्होंने 75.78 की औसत से टेस्ट क्रिकेट में 1061 रन बनाए थे. वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज हैं. काउपर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का भी जलवा दिखाया और टेस्ट में 36 विकेट झटके. काउपर ने 147 फर्स्ट क्लास मैचों में 10595 और 4 लिस्ट-ए मैचों में 77 रन बनाए. फर्स्ट क्लास में काउपर के नाम पर 183 और लिस्ट-ए में 3 विकेट दर्ज हैं. काउपर आईसीसी के मैच रेफरी भी रहे. काउपर को साल 2023 में क्रिकेट के प्रति उनकी सेवा के लिए मेडल ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था.

राजकुमार राव की पत्नी कहलाना पत्रलेखा को नहीं पसंद, बोलीं- 'मेरी अपनी एक पहचान है'

अभिनेत्री पत्रलेखा ने अपने करियर में कई फिल्में की हैं। वो अक्सर अलग-अलग तरह के चुनौतीपूर्ण किरदारों में नजर आई हैं। हालांकि, फिर भी उन्हें राजकुमार राव की पत्नी के तौर पर अधिक पहचाना जाता है। अब इस पर अभिनेत्री ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अपनी हालिया रिलीज 'फुले' को लेकर चर्चाओं में रहीं अभिनेत्री पत्रलेखा को अभिनेता राजकुमार राव की पत्नी के नाते ज्यादा पहचाना जाता है। जो कि पत्रलेखा को बिल्कुल भी पसंद नहीं है। खुद पत्रलेखा ने इस बात को स्वीकार किया कि उन्हें राजकुमार राव की पत्नी के नाम से पहचाना जाना बिल्कुल भी पसंद नहीं है।

'मेरा एक नाम है, अस्तित्व है'

बातचीत में अभिनेत्री पत्रलेखा ने इस बारे में बात की। जिसमें उन्होंने शादी के बाद राजकुमार राव की पत्नी के तौर पर अधिक पहचान मिलने से नाराजगी जताई है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे इससे वाकई नफरत है और मैं खुद को बहुत छोटा महसूस करती हूं। क्योंकि मेरा एक नाम है। मेरा एक अस्तित्व है। मेरी एक पहचान है। लेकिन एक मशहूर पति की आड़ में ये सबकुछ छुप जाता है।

'मेरा संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ'

अपने करियर को लेकर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, मेरे करियर में संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। कई लोगों को लगता है कि मेरा सफर आसान रहा होगा क्योंकि मैं किसी जाने-माने अभिनेता को डेट कर रही थी या अब उससे शादी हो चुकी है। लेकिन ऐसा नहीं है। यदि आप खुद को एक व्यक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं तो यह कभी भी आसान नहीं होता। अपना खुद का करियर ग्राफ बनाना, यह बहुत कठिन है।

'मेकर्स राजकुमार राव को कास्ट करने के इरादे से मेरे पास स्क्रिप्ट लाते हैं'

पत्रलेखा ने आगे बताया कि कैसे लोग उनके पास स्क्रिप्ट इसलिए लाते हैं क्योंकि वो राजकुमार राव को फिल्म में लाने में मदद करेंगी। अभिनेत्री ने कहा, लोग अक्सर मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं, इसलिए नहीं कि वे वाकई मुझे प्रोजेक्ट में चाहते हैं। बल्कि इसलिए कि उन्हें उम्मीद है कि मैं राजकुमार राव के लिए एक पुल का काम करूंगी। मेकर्स अक्सर मेरी प्रतिभा में दिलचस्पी दिखाने के बजाय मेरे पति को कास्ट करने के छिपे हुए इरादे से मेरे पास आते हैं। इस तरह का व्यवहार बेहद अपमानजनक लगता है। यह मेरी गरिमा के खिलाफ है। मैंने हमेशा अपने करियर और राजकुमार के बीच एक लाइन बना रखी है।

मीडिया और इंडस्ट्री से की अपील

पत्रलेखा ने मीडिया और इंडस्ट्री से भी एक अपील की कि उन्हें केवल एक लेबल तक सीमित न रखा जाए। वह कभी भी इस तरह से देखे जाने में सहज महसूस नहीं करेंगी और जब तक संभव हो, इसका विरोध करती रहेंगी।

'फुले' में नजर आई थीं पत्रलेखा

पत्रलेखा हाल ही में 'फुले' फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म समाज सुधारक ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन पर आधारित है। इससे पहले वो अनुभव सिन्हा की वेब सीरीज 'आईसी 814 कंधार हाईजैक' में एयरहोस्टेस के किरदार में दिखाई दी थीं। पत्रलेखा ने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए हैं।

सेना की बहादुरी और साहस को सैफ अली ने किया सलाम, सोनाली बेंद्रे बोलीं- 'सशस्त्र बलों पर गर्व है'

पाकिस्तान के खिलाफ शुरू किए गए भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर को आम लोगों के साथ ही फिल्म जगत के सितारों का समर्थन मिल रहा है। कोई इसे 'गर्व से भरने वाला क्षण' तो कोई सेना के शौर्य को नमन कर रहा है। इस बीच अभिनेता सैफ अली खान ने सेना की बहादुरी को सलाम किया, तो वहीं, सोनाली बेंद्रे ने कहा कि 'सशस्त्र बलों पर गर्व है'। सैफ अली खान ने बताया कि वह देश के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी सरकार और पहलगाम में निर्दोष लोगों के कत्लेआम पर सेना की प्रतिक्रिया के साथ पूरी तरह से एकजुटता और समर्थन में खड़ा हूं। मेरी संवेदनाएं और दुआएं देश में हुए आतंकी हमले की हिंसा से टूट चुके परिवारों के साथ है। सैफ अली खान ने सेना के शौर्य को सलाम करते हुए आगे कहा, मैं सशस्त्र बलों की बहादुरी और साहस को सलाम करता हूं और हमें सुरक्षित रखने के लिए उनका धन्यवाद देता हूं। हम सभी आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। जय हिंद, जय जवान। अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने सेना की सराहना करते हुए इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा, हमारे सशस्त्र बलों की गरिमा को कभी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे देशवासियों के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं और ऐसा केवल अपने कर्तव्य और धरती के प्रति प्रेम के कारण होता है। बेंद्रे ने आगे कहा, हम उनके साहस और हमें सुरक्षित रखने के लिए सदैव आभारी हैं। वे हैं तो हम कल की चिंता किए बिना शांति से सो सकते हैं। उनका साहस हमें बहुत कुछ सिखाता है। उनका बलिदान हमें एकजुट करता है। हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। बता दें, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया था। भारतीय सेना की कार्रवाई में पाकिस्तान और पीओके के नौ आतंकी ठिकाने खत्म हो गए।

शिवालिका की नई फोटो पर फैंस फिदा

नजाकत हो तो ऐसी!

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय इंडस्ट्री में खास मुकाम बना चुकी हैं। उन्होंने कई शानदार फिल्में की हैं। निर्देशक और निर्माता अभिषेक पाठक से शादी करने के बाद उन्होंने फिल्मों से दूरी बनाई हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर फैंस से जुड़ी रहती हैं। शिवालिका ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक प्यारी सी फोटो शेयर की, जिसे उनके प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। शिवालिका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। इस फोटो में वह कार की पिछली सीट पर बैठी दिख रही हैं। उन्होंने मल्टीकलर ड्रेस पहनी हुई है। वहीं, अपने बालों को खुला छोड़ा है और सनग्लासेस सिर पर लगाए दिख रही हैं। उनके बराबर में एक बैग भी नजर आ रहा है। वह कैमरे की ओर पोज देती हुई, क्यूट सा फेस बना रही हैं। शिवालिका की इस फोटो को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पोस्ट शेयर किया था। पोस्ट पर लिखा था, जब किसी महिला के सामने उसके पति को मार दिया जाता है, तो पूरा देश केवल शोक नहीं करता, बल्कि जाग उठता है। आज ये दोनों महिला अधिकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी केवल फौजी अफसर की तरह नहीं बोलीं बल्कि वे प्रतीक बन गईं उन हर महिलाओं की, जिन्होंने अपने दुःख को शक्ति में बदला, उन हर माताओं की, जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए भेजा।

सलमान ने 17 दिन बाद तोड़ी चुप्पी

चंद मिनटों में ही डिलीट किया ट्वीट ट्रोलर्स बोले- शर्म करो भाई

शनिवार शाम को भारत और पाकिस्तान के बीच चार घंटे के लिए संघर्ष विराम हुआ था। इस दौरान कई सितारों ने इस पर प्रतिक्रिया दी थी। सलमान खान ने भी कथित तौर पर एक पोस्ट शेयर किया था जिसे उन्होंने बाद में डिलीट कर दिया। अब इस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम चार घंटों के लिए संघर्ष विराम लागू हुआ था। इसके बाद तमाम फिल्मी सितारों ने संघर्ष विराम पर प्रतिक्रिया देते हुए इसका स्वागत किया था। अभिनेता सलमान खान ने भी कथित तौर पर एक पोस्ट शेयर किया पर चंद मिनटों बाद ही उसे डिलीट कर दिया। इस ट्वीट को लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। जानिए क्या था वो ट्वीट...

संघर्ष विराम पर ईश्वर को कहा शुक्रिया

सलमान खान के कथित ट्वीट का एक स्क्रीनशॉट इस वक्त इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल, कहा जा रहा है कि अभिनेता ने संघर्ष विराम की खबर के बाद पोस्ट शेयर किया। उन्होंने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) से एक पोस्ट शेयर किया। इसमें लिखा, संघर्ष विराम के लिए ईश्वर का शुक्रिया। बाद में उन्होंने इसे डिलीट कर दिया। इस पर उनकी खूब आलोचना हो रही है।

नेटिजन्स का फूटा गुस्सा

नेटिजन्स का गुस्सा इस बात पर फूट रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर पर सलमान खान ने एक भी ट्वीट या पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर नहीं किया। संघर्ष विराम पर उन्होंने तुरंत पोस्ट शेयर कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चुप रहने वाले रीढ़विहीन सलमान खान ने युद्ध विराम पर ट्वीट किया और ट्वीट डिलीट कर दिया। शर्म आनी चाहिए भाई।

सीज फायर उल्लंघन की खबर सुन आहत दीपिका ने पुराने दिनों को किया याद

भारत-पाकिस्तान सीजफायर से आहत टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने सोशल मीडिया पोस्ट में दिल का दर्द बयां किया। पाकिस्तान की कायराना हरकत और आतंकवाद को लेकर उन्होंने खुलकर अपने विचार रखे। एक्ट्रेस ने इस पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

अपनी इंस्टापोस्ट में दीपिका ने लिखा, कुछ ही घंटों में युद्धविराम का उल्लंघन... पाकिस्तान की एक और कायरतापूर्ण हरकत! यह न केवल समझौते की भावना का अनादर है, बल्कि शांति की उम्मीद पर भी प्रहार है! पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को शरण देता है और फिर दिखावे के लिए कहता है कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। यह उनकी पुरानी आदत है! एक आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते मैंने बचपन से ही युद्ध की पीड़ा को सुना और महसूस किया है। युद्ध सैनिकों और उनके परिवारों के लिए बेहद दर्दनाक और डरावना अनुभव होता है!!! और सीमा के पास रहने वाले आम नागरिकों के लिए भी यह समय कितना भयानक होता है, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। कोई भी युद्ध नहीं चाहता। सब यही चाहते हैं कि समस्या का समाधान हो, शांति बनी रहे। लेकिन जब सामने वाला देश कुछ और कहता है और करता कुछ और है, तो फिर जवाब देना ही एकमात्र रास्ता बचता है, अपने देश और लोगों की सुरक्षा के लिए। हमारे जवान डटे हुए हैं। भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद। बता दें कि भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल रोकने पर सहमति जताई। अचानक सीजफायर की घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर की। इसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने औपचारिक घोषणा की। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ट्रुथ पर लिखा, अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी रात की बातचीत के बाद मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। कॉमन सेंस और महान बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल करने के लिए दोनों देशों को बधाई। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आप लोगों का धन्यवाद! इस घोषणा के कुछ घंटों बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन करते हुए जम्मू-कश्मीर में रात के समय ड्रोन से हमला किया। हालांकि सुबह होते-होते सरहदी इलाकों में शांति दिखी, किसी तरह की गोलाबारी की खबर नहीं आई।

आलिया भट्ट की अल्फा में मानुषी की भी हुई एंट्री

मानुषी छिल्लर को यशराज फिल्म्स ने एक बार फिर मौका दिया है। मिस वर्ल्ड 2017 का खिताब जीतने वाली मानुषी अब आलिया भट्ट की आने वाली स्पाई थ्रिलर फिल्म अल्फा में काम करती दिखेंगी। यशराज फिल्म्स के महिला स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म अल्फा में आलिया के अलावा शरवरी वाघ भी अहम किरदार में हैं। खबरों के अनुसार, मानुषी फिल्म में जासूसी करती हुई और आलिया व शरवरी के साथ एक्शन सीन्स करती नजर आएंगी। शिव रवैल द्वारा निर्देशित अल्फा इस साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन भी एजेंट कबीर के रूप में एक्शन करते दिखाई देंगे, जबकि आलिया एक सुपर एजेंट हैं। बता दें कि मानुषी को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले आदित्य चोपड़ा ही थे। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में उन्हें ब्रेक दिया था।

तापसी स्टारर हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर शुरू हुआ काम

तापसी पन्नू अपनी चर्चित फिल्म हसीन दिलरुबा का तीसरा पार्ट लेकर आ रही हैं। फिल्म की राइटर और निर्माता कनिका ढिल्लों ने इसके संकेत दिए थे और अब खबरें हैं कि तापसी एक बार फिर दिलरुबा बनकर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है। अगले पार्ट में रानी और रीशू की प्रेम कहानी और भी दिलचस्प मोड़ लेगी। कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त पिछली दोनों फिल्मों से ज्यादा धमाकेदार होगी, जिसमें ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस का तड़का होगा। फिलहाल अनुभव सिन्हा के साथ तापसी की एक फिल्म आ रही है।

ओटीटी पर नहीं आएगी सितारे ज़मीन पर, आमिर खान ने चुना यूट्यूब का नया पे-पर-व्यू मॉडल

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान एक बार फिर अपने नए सिनेमाई प्रयोग से चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' को लेकर दर्शकों में जितनी उत्सुकता है, उतना ही चौंकाने वाला है इसका रिलीज़ फॉर्मेट। आमतौर पर आजकल की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के कुछ हफ्तों के भीतर ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन आमिर खान ने इस रिवाज से हटकर एक नई राह चुनी है। सूत्रों की मानें तो सितारे ज़मीन पर को सिनेमाघरों में रिलीज़ के बाद किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम नहीं किया जाएगा। इसकी बजाय, यह फिल्म दो महीने बाद यूट्यूब पर पे-पर-व्यू मॉडल के तहत दर्शकों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस मॉडल के तहत दर्शक फिल्म को देखने के लिए एक बार का शुल्क देंगे – न कि किसी ओटीटी सब्सक्रिप्शन के जरिए। आमिर खान का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर जल्दी स्ट्रीमिंग की वजह से दर्शक सिनेमाघरों का रुख नहीं करते, खासकर ऐसी फिल्मों के लिए जो बड़े विजुअल इफेक्ट्स या एक्शन से भरपूर नहीं होतीं। 'सितारे ज़मीन पर' एक भावनात्मक और कंटेंट-ड्रिवन फिल्म है, और आमिर इसके साथ एक अलग प्रयोग करना चाहते हैं। यही कारण है कि फिल्म के पोस्टर पर भी किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म का लोगो नहीं है – जो आमतौर पर ट्रेंड बन चुका है। इस निर्णय के पीछे आमिर की मंशा यह है कि दर्शकों को सिनेमाघर का अनुभव देने के बाद भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्म की वैल्यू बनी रहे और निर्माता को कंटेंट पर पूरा नियंत्रण मिले। यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पे-पर-व्यू आधारित वितरण मॉडल का एक नया अध्याय साबित हो सकता है।